www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 195 || लखनऊ
शुक्रवार
16 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:06
सूर्यास्तः 05:37
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 22°00


पेज 07

विशेष समाचार
पंजाब में नशे का तांडवः वर्दी ... >> पेज 04
शिवाजी म्यूजियम का निरीक्षण ... >> पेज 06
दृश्यम एक्ट्रेस श्रिया सरन ने ...

योगी ने माफिया की लैंड पर 602 फ्लैट का किया भूमि पूजन

अतीक के कसारी-मसारी का नाम अब 'कृष्णपुरी'

योगी ने कहा- अब सरकार माफिया की जमीन पर गरीबों के आशियाने बना रही है। कभी माफिया अतीक-अशरफ जिस जमीन पर पैर रखते थे, वह उनकी हो जाती थी। प्रदेश सरकार उनके सामने घुटने टेक देती थी। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) की 9,811 वर्गमीटर की इस आवासीय परियोजना में 14 मंजिला बिल्डिंगें बनाई जाएंगी। इनमें कुल 602 फ्लैट होंगे। हर फ्लैट में 2 बेडरूम, हॉल और किचन होगा।

भूमिपूजन

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। सीएम योगी ने माफिया अतीक अहमद के इलाके कसारी-मसारी का नाम बदलकर श्रीकृष्ण पुरी करने का ऐलान किया। योगी ने गुरुवार को प्रयागराज में कहा कि कसारी-मसारी नाम कसाइयों वाला लगता था। इसके साथ ही सीएम योगी ने अतीक और उसके गुर्गों के कब्जे से मुक्त कराई गई सरकारी जमीन पर बनने वाले फ्लैटों का भूमिपूजन किया। एक फ्लैट का एरिया 56.45 वर्गमीटर रहेगा। इसके साथ पार्किंग, रेनवॉटर हार्वेस्टिंग और सोलर सिस्टम की व्यवस्था भी है। इसके अलावा स्विमिंग पूल, कम्युनिटी हॉल और कामर्शियल कॉम्प्लेक्स जैसी सुविधाएं भी रहेंगी। इलाके के बुजुर्गों का कहना है कि कसारी और मसारी 2 सगे भाई थे, जो बड़े सूफी संत (फकीर) थे। दोनों मूल रूप से यूपी के फैजाबाद (अयोध्या) के रहने वाले थे। लेकिन बाद में प्रयागराज में आकर रहने लगे थे। लोगों की सेवा करने की वजह से जल्द ही दोनों भाई आम लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हो गए। दोनों सूफी संतों के निधन के बाद उन्हें इसी इलाके में दफनाया गया। साथ ही उनकी याद में इस क्षेत्र का नाम ही 'कसारी-मसारी' पड़ गया। आज भी यहां स्थित ऐतिहासिक कब्रिस्तान को कसारी-मसारी कब्रिस्तान के नाम से जाना जाता है। महिला रीना मिश्रा ने बताया- बहुत सुंदर लग रहा है।

>> (शेष पेज 06 पर)

मुस्लिमों की गद्दी बिरादरी का गढ़ है कसारी-मसारी

कसारी-मसारी प्रयागराज के पुराने मोहल्लों में से एक है। माफिया अतीक अहमद का गढ़ यही मोहल्ला था। उसका घर भी पहले इसी मोहल्ले में था, जो बाद में चकिया मोहल्ले के नाम से जाना जाने लगा। कसारी-मसारी मोहल्ले के ही कब्रिस्तान में अतीक और अशरफ के साथ उसके पिता को भी दफनाया गया था। कसारी-मसारी में अतीक की कई पुश्तैनी जमीनें थीं। इसके साथ ही उसके तमाम रिश्तेदार भी इसी मोहल्ले में रहते थे। यह गांव मुस्लिमों की गद्दी बिरादरी का गढ़ माना जाता है। अपनी पुश्तैनी जमीनों पर गद्दी बिरादरी के लोगों ने प्लॉटिंग की, जिन्हें बहुत से हिंदुओं खरीदा और मकान बनवाकर रहने लगे।





बिजली पासी के नाम पर आईटीआई बनाएंगे- सीएम योगी

सीएम योगी ने कहा- प्रयागराज में बिजली पासी के नाम पर आईटीआई बनाएंगे। राजेंद्र प्रसाद लॉ यूनिवर्सिटी बनकर तैयार है। प्रयागराज बदल चुका है। प्रयागराज नए कलेवर के साथ आगे बढ़ रहा है। बड़े हनुमान जी की कृपा प्रयागराज पर हमेशा बनी रही। उसी प्रयागराज में आज हमें आवास बांटने का मौका मिला। पीडीए को धन्यवाद, सिद्धार्थ नाथ ने रुचि लेकर गरीबों के आशियाने के लिए चुना। सभी जनप्रतिनिधियों को बधाई कि नई पहचान दी।

जहां अतीक घोड़े रखता था, वहां गरीबों के घर बनेंगे

करीब 9,811 वर्ग मीटर क्षेत्रफल वाली इस जमीन पर अब पीडीए पद्मलोक आवास योजना विकसित करेगा। यहां 14 मंजिला अपार्टमेंट बनाया जाएगा, जिसमें दो बेडरूम, हॉल और किचन (2 बीएचके) वाले कुल 602 फ्लैट प्रस्तावित हैं। कभी जिस जमीन का इस्तेमाल अतीक अपने घोड़ों को रखने और बेटों को घुड़सवारी सिखाने के लिए करता था, वहां अब लोगों के लिए घर तैयार किए जाएंगे।



माफियागिरी करने वाले को मिट्टी में मिला दिया जाएगा- सीएम योगी

अब कोई प्रापर्टी पर कब्जा नहीं कर सकता- सीएम योगी

सीएम योगी ने कहा- आज गुंडा माफिया ताक झांक नहीं कर सकता। प्रापर्टी पर कब्जा नहीं कर सकता। बाप दादा की प्रापर्टी भी जब्त कर लेंगे। सुरक्षा का माहौल इसलिए देना है कि युवाओं को रोजगार मिल सकें। गरीब को आवास मिल सके। सुशासन का लाभ लेकर जीवन अच्छा जी सके। प्रयागराज में शहर उत्तरी में गंगा नदी से बड़े पुल का निर्माण आगे बढ़ाया। सीएम योगी ने कहा- पहले यूपी वाला कहकर लोग सौ कदम दूर भागते थे। आज यूपी का नाम सुनकर सौ कदम दूर हैं, तो गले मिलने का प्रयास करते हैं। कहते हैं अरे प्रयागराज की धरती से हैं। हमारी सरकार ने माफिया को मिट्टी में मिलाने का काम किया।

सीएम योगी ने कहा- प्रयागराज में अब कोई माफिया अपराध करने का साहस करेगा तो मिट्टी में मिला दिया जाएगा। प्रयागराज में कोई माफियागिरी करने का साहस नहीं करेगा। अगर करेगा तो मिट्टी में मिलने की तैयारी कर लेगा। सीएम योगी ने कहा- पहले यह जगह माफिया अतीक की अय्याशी का अड्डा थी।

15 बीघा की लैंब पर माफिया अतीक और उसके गुंडों ने कब्जा कर अय्याशी का अड्डा बनाया था। उससे मुक्त कराया गया। सीएम योगी ने कहा- कसारी मसारी अब नाम यह नहीं होगा।

नेहा बोरा बांग्लादेश जैसा आंदोलन चाहती हैं : प्रदीप भंडारी

नई दिल्ली। भाजपा ने AISA अध्यक्ष नेहा बोरा के बांग्लादेश के जेन-जी आंदोलन पर दिए बयान को लेकर राहुल गांधी पर निशाना साधा है। भाजपा नेता प्रदीप भंडारी ने आरोप लगाया कि नेहा बोरा के शब्दों के पीछे राहुल गांधी की सोच है। भंडारी ने कहा- राहुल गांधी ने एक मार्च के दौरान नेहा बोरा को आंदोलन के चेहरे के तौर पर पेश किया था। वही नेहा बोरा चाहती हैं कि जो बांग्लादेश में हुआ, भारत में भी बिल्कुल वैसा ही हो। ये शब्द भले ही नेहा बोरा के हैं, लेकिन इनके पीछे के विचार राहुल गांधी के हैं। दरअसल, नेहा बोरा ने दो दिन पहले बांग्लादेश के सोशलिस्ट स्टूडेंट्स फ्रंट (SSF) को उनके छठे सेंट्रल कॉन्फ्रेंस के लिए बधाई देते हुए एक वीडियो मैसेज भेजा था। इसमें उन्होंने कहा कि भारत का जेन-जी आंदोलन बांग्लादेश के आंदोलन से प्रेरित है।

सुप्रीम कोर्ट तक मार्च पर राहुल को नोटिस

सीजेआई बोले- हमें कोई धमका नहीं सकता

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। 12 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट तक विपक्ष के मार्च मामले में गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान CJI सूर्यकांत ने कहा कि कोई भी कोर्ट को डरा-धमकाकर दबाव में नहीं ला सकता। ऐसी कोशिशें बेकार हैं। इन पर कोई ध्यान नहीं देता। उन्होंने कहा- हमें पता कि कोर्ट के बाहर क्या कहा जा रहा है और कोर्ट के अंदर क्या कहा जा रहा है। हम किसी काल्पनिक दुनिया में नहीं जी रहे हैं। हमें हर बात की जानकारी है। CJI ने राहुल का नाम लिए बिना यह भी कहा कि याचिकाकर्ताओं में से एक के आचरण पर सवाल करेंगे



और उसे सफाई देनी होगी। 12 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट परिसर में विपक्षी नेताओं और उनके समर्थकों के जुटने से जुड़े मामले में राहुल गांधी, अखिलेश यादव और अन्य 14 नेताओं को नोटिस जारी किया है। वहीं, SIR प्रक्रिया और चुनाव आयोग के फैसलों के खिलाफ इन नेताओं की याचिका पर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग से जवाब मांगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

पुलिस के पैरों में लेटे डॉक्टर

एसीपी ने जमीन पर बैठकर हाथ जोड़े, बोले- धरना खत्म कर दीजिए

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में बॉन्डेड डॉक्टरों ने गुरुवार को भी समान वेतन की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। गले में स्टेथोस्कोप और मुंह पर टेप लगाकर पहुंचे डॉक्टर पुलिस के सामने हाथ जोड़ते और पैरों में लेटकर गुहार लगाते दिखे।

डॉक्टरों ने कहा कि वे पिछले 42 दिन से प्रदर्शन कर रहे, लेकिन उनकी मांगें अब तक नहीं मानी गईं। डॉक्टर 1090 चौराहे से चेन बनाकर सीएम आवास की ओर बढ़ने लगे तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया। डॉक्टरों को सड़क पर बैठता देख ACP खुद जमीन पर बैठ गए। उन्होंने हाथ जोड़कर डॉक्टरों से कहा कि धरना खत्म कर दीजिए।

>> (शेष पेज 06 पर)



ACP रजनीश वर्मा ने डॉक्टरों के सामने हाथ जोड़े। उनसे धरना खत्म करने की अपील की।



- डॉक्टरों ने 1090 चौराहे से सीएम आवास के रास्ते में मानव शृंखला बनाकर प्रदर्शन किया।
- बॉन्डेड डॉक्टरों ने जैसे ही मार्च शुरू किया, पुलिस उन्हें हिरासत में लेने लगी। इस दौरान वे जमीन पर लेट गए।

फास्ट न्यूज

राजस्थान में पिता के सामने बोरवेल में गिरा बेटा

जोधपुर/ फलोदी। राजस्थान के फलोदी जिले में पिता के सामने 9 साल का बेटा भोमाराम 1050 फीट गहरे बोरवेल में गिर गया। खेत में लगा बोरवेल खराब हो गया था, जिसे ठीक करने के लिए मशीन बुलाई गई थी। पाइप निकालने का काम चल रहा था। इसी दौरान बच्चा अचानक बोरवेल में गिर गया।

अंकिता भंडारी के माता-पिता बोले-गौतम को राज्यपाल न बनाएं

नई दिल्ली। अंकिता भंडारी के माता-पिता ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने मांग की कि जांच पूरी होने तक भाजपा नेता दुष्यंत कुमार गौतम की सिक्किम के राज्यपाल पद पर नियुक्ति को रोक दिया जाए। यदि 24 घंटे में हमारी मांग नहीं मानी तो उत्तराखंड की जनता सड़कों पर उतर आएगी। राहुल गांधी ने भी दुष्यंत गौतम को राज्यपाल बनाए जाने को लेकर राष्ट्रपति को चिट्ठी लिखी है। दलित बुद्धिजीवियों ने कांग्रेस के नाम खुला खत लिखा है। इसमें कहा कि नैतिकता पार्टी के आचरण में भी दिखे।

वायु प्रदूषण कम करने के लिए ₹13 हजार करोड़ मिले

नई दिल्ली। देश में वायु प्रदूषण कम करने के लिए 2019 से अब तक 13 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा जारी किए गए, लेकिन खर्च की गई रकम का 68% हिस्सा सिर्फ सड़कों की धूल हटाने पर लगा। 2023 में प्रदूषित हवा से 20 लाख लोगों की मौत प्रदूषण से जुड़ी मिली। यह संख्या 2000 के मुकाबले 43% ज्यादा है।

हमारा ध्यान लद्दाख की नई पीढ़ी पर : मोदी

पीएम ने ₹3350 करोड़ के प्रोजेक्ट शुरू किए

सौगात

तमसा संकेत, एजेंसी



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि सरकार का ध्यान लद्दाख की नई पीढ़ी पर है, ताकि युवाओं को अच्छी शिक्षा मिले और उन्हें दूसरे शहरों पर निर्भर न रहना पड़े। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के लिए लद्दाख का विकास प्राथमिकता है। पीएम मोदी ने लद्दाख में करीब 3,350 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का वर्चुअली उद्घाटन और लोकार्पण किया। इनमें लेह एयरपोर्ट का नया पैसेंजर टर्मिनल, 298 किलोमीटर लंबी निम्मू-पदुम-दरचा सड़क, 9 मेगावाट का हानू हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट, बिजली ट्रांसमिशन लाइन, देश का पहला पेट्रोग्लिफ संरक्षण पार्क और 40 गांवों में बनाए गए जलाशय शामिल हैं।

इन प्रोजेक्ट्स से लद्दाख में हवाई और सड़क कनेक्टिविटी बेहतर होगी। साथ ही बिजली की उपलब्धता, जल संरक्षण और प्राचीन सांस्कृतिक विरासत को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी।

नेहा बोरा ने कल कहा- बांग्लादेश आंदोलन से प्रेरणा मिली, प्रशांत भूषण बोले- सरकार बदलनी होगी

सीजेपी की प्रेस कॉन्फ्रेंस में सत्ता परिवर्तन की मांग

नारेबाजी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके और AISA अध्यक्ष नेहा बोरा ने गुरुवार को दिल्ली में जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें नेहा के बोलने से पहले कुछ लोगों ने नारेबाजी शुरू कर दी। दीपके ने कहा- सरकार ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को बचाने के लिए तिरंगा फहराना भी अपराध बना दिया है। सीनियर एडवोकेट प्रशांत भूषण और एक्टर प्रकाश राज भी प्रेस कॉन्फ्रेंस शामिल हुए। प्रशांत भूषण ने कहा- सरकार की बर्बरता जारी रही, तो सरकार बदलनी होगी। लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई सिविल सोसायटी और युवाओं के नेतृत्व में लड़ी जाएगी।

>> (शेष पेज 06 पर)



प्रकाश राज ने कहा- कल अमित शाह जी ने कहा कि राहुल गांधी घुसपैठियों को बचा रहे हैं।

प्रकाश राज बोले- हर जिले-गांव को जंतर-मंतर बनाएंगे

प्रकाश राज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- आपने बहुत कहानियां सुनी होंगी। इन कहानियों का मोरल ऑफ द स्टोरी है कि जो बचपन में क्रोकोडाइल से नहीं डरा, वह आज कॉकरोच से डर गया। कल देश के 200 संगठन एकजुट हो रहे हैं। सरकार ने हमें जंतर-मंतर से छूमंतर करने की कोशिश की, लेकिन हमने पूरे देश को जंतर-मंतर बनाने का फैसला किया है।

सीजेपी-एआईएसए की प्रेस कॉन्फ्रेंस में किसने क्या कहा, 4 बड़े बयान

- **अभिजीत दीपके:** तिरंगा फहराने को भी कानून का उल्लंघन माना गया। किसके लिए? ज्ञानेश कुमार के लिए। सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त को बचाने के लिए प्रदर्शनकारियों और विपक्षी नेताओं को हिरासत में ले रही है।
- **नेहा बोराः** हिरासत में लेने और मारपीट करने से आंदोलन नहीं रुकेगा। हमारा आंदोलन किसी एक झंडे, पार्टी या व्यक्ति का नहीं है। दिल्ली से लेकर मुंबई तक यह आंदोलन जिंदा है।
- **प्रकाश राजः** जो बचपन में मगरमच्छ से नहीं डरा, वह आज कॉकरोच से डर गया। सरकार ने हमें जंतर-मंतर से छूमंतर करने की कोशिश की, लेकिन हमने पूरे देश को जंतर-मंतर बनाने का फैसला किया है। हम देश के हर जिले और गांव को जंतर-मंतर बना देंगे।
- **प्रशांत भूषणः** सरकार की बर्बरता जारी रही, तो सत्ता बदलनी होगी। भाजपा ने भी बार-बार आंदोलन करके सरकार बदली है। सरकार के खिलाफ विरोध करना कोई अपराध नहीं है। इस देश में तानाशाह सरकार नहीं चल सकती।

निर्देश : एसआईआर विवाद के बीच चुनाव आयोग का आदेश, 30 राज्यों-यूटीएस से 13 करोड़ नाम हटे थे

एमपी और यूपी सहित 17 राज्यों-यूटीएस में वोटर लिस्ट अपडेट होगी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान समेत 17 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में वोटर लिस्ट का स्पेशल समरी रिवीजन (SSR) कराने का निर्देश दिया है। इसके तहत वोटर लिस्ट अपडेट होगी। इसमें नए नाम जोड़े जाएंगे और पहले से दर्ज जानकारी में गलतियां सुधारी जाएंगी। 2027 में 18 साल की उम्र पूरी करने वाले युवा भी वोटर लिस्ट में अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकेंगे। यह आदेश स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) को लेकर विवाद और विरोध के बीच आया है। SIR के दौरान 30 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में करीब 13 करोड़ नाम वोटर लिस्ट से हटाए गए हैं। चुनाव आयोग ने कहा है कि जिन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में SIR चल रहा है या हाल ही में पूरा हुआ है, वहां SSR का शेड्यूल बाद में घोषित किया जाएगा। चुनाव आयोग के मुताबिक, SSR का मकसद वोटर लिस्ट को सही और अपडेट रखना है। इसके तहत पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने, दर्ज जानकारी में गलतियां सुधारने और जरूरी बदलाव करने का काम होगा। इसमें युवाओं और पहली बार वोट देने वाले लोगों को शामिल करने पर खास ध्यान दिया जाएगा। 1 जनवरी 2027 के अलावा 1 अप्रैल, 1 जुलाई और 1 अक्टूबर 2027 को 18 साल की उम्र पूरी करने वाले युवा भी पहले से आवेदन कर सकेंगे।



>> (शेष पेज 06 पर)

एसआईआर वाले राज्यों में एसएसआर का शेड्यूल बाद में आएगा

चुनाव आयोग ने कहा है कि जिन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में SIR की प्रक्रिया चल रही है या हाल ही में पूरी हुई है, वहां SSR का कार्यक्रम बाद में घोषित किया जाएगा।

इनमें आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, दादरा और नगर हवेली, दमन और दीव, हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, दिल्ली, ओडिशा, सिक्किम, त्रिपुरा और तेलंगाना शामिल हैं।

मतदान केंद्रों की व्यवस्था भी सुधारी जाएगी

चुनाव आयोग ने मतदान केंद्रों की संख्या और उनकी जगह की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। सामान्य तौर पर एक मतदान केंद्र पर 1,200 से ज्यादा मतदाता नहीं होने चाहिए। जरूरत पड़ने पर नए मतदान केंद्र बनाए जा सकते हैं। अधिकारियों को यह भी देखना होगा कि मतदाताओं को अपने मतदान केंद्र तक पहुंचने के लिए दो किलोमीटर से ज्यादा दूरी तय न करनी पड़े। इसके लिए हाईराइज सोसायटियों, रिहायशी कॉलोनियों और शहरी झुग्गी-बस्तियों में मतदान केंद्रों की जरूरत का आकलन किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश : सीएजेपी प्रोटेस्ट का सीसीटीवी सुरक्षित रखें

प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई पर केंद्र को नोटिस

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को CJP प्रदर्शन के दौरान मेट्रो स्टेशन और इंटरनेट बंद करने और जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाने के मामले पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा- हम 10 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर हुई पुलिस कार्रवाई पर केंद्र को नोटिस जारी कर रहे हैं। उन्हें इसका जवाब देना होगा। इसके साथ ही कोर्ट ने जंतर-मंतर को प्रदर्शन स्थल से हटाने के फैसले पर भी सरकार को नोटिस दिया है। कोर्ट ने 10 अक्टूबर को CJP प्रदर्शन पर कहा कि उस दिन के सभी CCTV फुटेज संभालकर रखे जाएं। इससे पहले केंद्र सरकार ने 10 अक्टूबर को दिल्ली में इंटरनेट बंद करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांगी थी।



- कॉकरोच जनता पार्टी ने 10 अक्टूबर को दिल्ली में प्रदर्शन बुलाया था। इस दौरान 7 हजार लोगों को हिरासत में लिया गया था।

नाम- जननीति भारत रखा, मिर्जापुर सदर से चुनाव लड़ेंगी, दिव्या मित्तल ने कहा- 'जननीति भारत' में राज आपका होगा

पूर्व आईएएस दिव्या मित्तल ने नई राजनीतिक पार्टी बनाई

ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । यूपी की पूर्व IAS दिव्या मित्तल ने अपनी पार्टी बनाने का ऐलान किया है। पार्टी का नाम 'जननीति भारत' रखा है। गुरुवार दोपहर एक बजे फेसबुक पर वीडियो पोस्ट करके उन्होंने बताया कि वह 2027 के विधानसभा चुनाव में मिर्जापुर जिले की सदर सीट से चुनावी मैदान में उतरेंगी।

दिव्या मित्तल ने कहा-'जननीति भारत' में राज आपका होगा। जननीति भारत 2027 उत्तर प्रदेश का चुनाव लड़ेगी। 5 साल सरकार आपके हिसाब से चलेगी।

30 सितंबर को दिव्या मित्तल ने राजनीति में एंट्री का ऐलान किया था। कहा था- यूपी में ही रहूंगी। डरूंगी नहीं, सवाल करूंगी। किसी पार्टी के साथ नहीं जुड़ूंगी। अकेले चलूंगी। मेरा मकसद राजनेता बदलना नहीं, बल्कि पूरी राजनीति बदलना है। मुझे पैसा और बाहुबल नहीं चाहिए।



पूर्व IAS दिव्या मित्तल ने बुधवार को वीडियो जारी करके अपनी पार्टी बनाने का ऐलान किया।

2013 बैच की IAS रहीं दिव्या ने 30 अगस्त को इस्तीफा दिया था। उस समय वह राजस्व विभाग में विशेष सचिव थीं। 14 सितंबर को उनका इस्तीफा मंजूर हो गया। दिव्या ने IIT दिल्ली से बीटेक और IIM बेंगलुरु से MBA करने के बाद लंदन में लाखों के पैकेज वाली नौकरी की थी।

दूसरी नीति न्याय, वहां जहां सुनवाई सबकी हो। जनता को न्याय कहां मिलना चाहिए, यह जनता से पूछिए, नीति कैसे बनती है, ये जनता से पूछिए। मां एक रोटी कम खाती है, लेकिन बच्चे का पेट भरती है। पिता अपने खर्च कम करता है, लेकिन बच्चे को स्कूल भेजता है, यह है सोच। हमारी नीति में यही सोच दिखेगी।

'जननीति भारत' का पहला वचन- जन से नीति, नीति से भारत

दिव्या मित्तल ने कहा- मैं अपनी पार्टी बना रही हूं। आप पूछेंगे कि पार्टियों की कमी है क्या। कमी पार्टियों की नहीं है सुनवाई की है। गंगा के सामने खड़ी हूं, गंगाजी में सब बूंदें बराबर होती हैं। रास्ता सब मिलकर तय करती हैं। ऐसी ही पार्टी बनानी है, जिसमें हर व्यक्ति एक बूंद हो और हर बूंद का काम। ऐसी ही सोच से निकली पार्टी का नाम है 'जननीति भारत'। 'जननीति भारत' के तीन वचन हैं- देश की नीतियों के केंद्र में लोग होंगे और लोग ही नीतियां तय करेंगे। याद होगा देवकली देवी ने घर में पानी नहीं होने के बाद भी मुझसे स्कूल मांगा था, मेरे वीडियो के बाद स्कूल का काम शुरू हो गया। नींव डलनी शुरू हो गई, फिर पता चला कि जमीन जंगल की है, इसलिए काम रुक गया। जिस नींव पर बच्चों का भविष्य था, वह बच्चे आज भी इंतजार में हैं। प्रश्न यह है कि जब देश के सबसे बड़े उद्योगपतियों को रास्ता बनाना होता है तो जंगल 80 दिन में रास्ता देता है, लेकिन जब किसी गरीब के लिए स्कूल, रास्ता या कारखाना लगना होता है तो वह फाइल 80 सालों तक लटकी रहती है।



मिर्जापुर में दिव्या मित्तल पर लोगों ने फूल बरसाए थे। उन्होंने भी लोगों पर फूल बरसाए थे।

एलडीए के रजिस्ट्री कैंप का आज अंतिम दिन

दो दिन में 200 संपत्तियों की रजिस्ट्री

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) में संपत्तियों की रजिस्ट्री के लिए लगाए गए विशेष शिविर में दो दिन में 200 आवंटियों ने रजिस्ट्री कराई। पहले दिन 13 अक्टूबर को 107 और दूसरे दिन 14 अक्टूबर को 93 आवंटियों की संपत्तियों का निबंधन हुआ।

यह शिविर आवंटियों की सुविधा के लिए लगाया गया है, ताकि उन्हें रजिस्ट्री कराने के लिए अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। आज, 15 अक्टूबर को शिविर का आखिरी दिन है। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार की पहल पर प्राधिकरण भवन के कमेटी हॉल में 13 से 15 अक्टूबर तक विशेष निबंधन शिविर लगाया गया है। यहां एलडीए के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ निबंधन विभाग की टीम भी मौजूद है। शिविर में आवंटियों की फाइल तैयार करने से लेकर रजिस्ट्री कराने तक की प्रक्रिया एक ही स्थान पर पूरी की जा रही है। इससे आवंटियों को भागदौड़ से राहत मिल रही है। रजिस्ट्री कराने वाले लोगों ने इस व्यवस्था की सराहना की है।



शिविर में विभिन्न अपार्टमेंट के फ्लैटों के साथ कानपुर रोड योजना, जानकीपुरम विस्तार, बसंतकुंज, शारदानगर, गोमतीनगर और प्रधानमंत्री आवास योजना समेत अन्य योजनाओं की संपत्तियों की रजिस्ट्री की गई।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में जमीनी विवाद में चाकू से हमला, मौत

लखनऊ । लखनऊ के बीबीडी स्थित जगपाल खेड़ा में जमीन पर कब्जे को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। 11 अक्टूबर को 50-60 लोग विवादित जमीन पर पहुंचे और बाउंड्री व गेट तोड़ने लगे। विरोध करने पर उन्होंने सतीश यादव, उनके भाई सोनू यादव और बेटे शिवम यादव पर चाकू और लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमले में तीनों घायल हो गए।

लखनऊ नगर निगम ने पीड़ितों के लिए जारी किया नंबर

लखनऊ। लखनऊ शहर में बाढ़ जैसे हालात बने हुए 16 दिन बीत चुके हैं, लेकिन लोगों की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। बाढ़ से 5 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। सबसे ज्यादा परेशानी फैजुल्लागंज में है। यहां 50 से 60 हजार से अधिक घर आधे से ज्यादा पानी में डूबे हैं। कुछ इलाकों में पानी कम होने लगा है, लेकिन गंदगी, दूषित पेयजल और जलनिकासी की समस्या अब भी बनी हुई है। लोगों की परेशानी को देखते हुए नगर निगम ने सफाई, पेयजल और जलनिकासी से जुड़ी शिकायतों के लिए विभागवार हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं।

हत्यारोपी मॉडल श्रद्धा दुबे नेपाल में नजर आई

लखनऊ । लखनऊ के कारोबारी शिवा शर्मा हत्याकांड में फरार मॉडल श्रद्धा दुबे नेपाल में नजर आई है। जांच के दौरान पुलिस को नेपाल के महीम नगर बस स्टेशन के दो CCTV फुटेज मिले हैं, जिनमें श्रद्धा, उसकी बहन रश्मि और दोस्त आदिल दिखाई दे रहे हैं। पहले CCTV फुटेज में तीनों सड़क पार करते दिख रहे हैं, जबकि दूसरे फुटेज में वे ई-रिक्शा से जाते नजर आ रहे हैं।

भाषा विश्वविद्यालय में व्हाइट कैन डे कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के सक्षम प्रकोष्ठ एवं नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड, उत्तर प्रदेश राज्य शाखा, इंदिरा नगर, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में इंटरनेशनल व्हाइट कैन सेफ्टी डे मनाया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य दृष्टिबाधित व्यक्तियों के अधिकारों, सम्मान, स्वतंत्र आवागमन और सामाजिक समावेशन के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम में कुलपति प्रो. अजय तनेजा ने कहा कि दृष्टिबाधित व्यक्तियों में अपार प्रतिभा और क्षमता होती है। उन्हें आगे बढ़ने के लिए समान अवसर उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि श्वेत छड़ी केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि स्वतंत्रता, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। उन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों से समावेशी एवं सुगम वातावरण के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया। नेशनल एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड की उत्तर प्रदेश राज्य शाखा की उपाध्यक्ष सुश्री अमिता दुबे ने श्वेत छड़ी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए दृष्टिबाधित व्यक्तियों के प्रति जागरूकता, समानता और सम्मान की भावना विकसित करने पर जोर दिया।



दृष्टिबाधित व्यक्तियों के अधिकारों और सामाजिक समावेशन के प्रति जागरूकता बढ़ाना उद्देश्य

राजनाथ ने बाढ़ प्रभावितों को राहत किट दी

बोले- यहां भाषण देने नहीं आया, हम आपके साथ हैं, बताने आया, 10 हजार किट और देंगे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । रक्षामंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह आज गुरुवार को लखनऊ पहुंचे। उन्होंने शहर के फैजुल्लागंज इलाके में बाढ़ प्रभावित 1 हजार परिवारों को राहत सामग्री बांटी। लोगों से बात की। उनका हालचाल पूछा। मंच से कहा- यहां भाषण देने नहीं आया। हम आपके साथ है, यह बताने आया हूं। अभी 10 हजार राहत किट और बांटी जाएगी।

राजनाथ सिंह के लिए बाढ़ प्रभावित दाऊदनगर में मंच सजाया गया। मंच से कुछ दूर पहले बाढ़ के पानी तक हरी कालीन बिछाई गई थी, जहां तक रक्षामंत्री काफिले से आए। इसके बाद राहत कैंप का जायजा लिया। बाढ़ प्रभावित लोगों से मिले। उनका हालचाल पूछा। रक्षामंत्री के पहुंचने से पहले उनके रूट की सड़कों को कई पंपिंग सेट लगाकर सुखाया गया था। राजनाथ सिंह ने बताया कि आईआईएम से फैजुल्लागंज तक बंधा बनाया जाएगा। कुछ दिनों के अंदर मैं मुख्यमंत्रीजी से आग्रह करूंगा कि बंधे के शिलान्यास का काम जल्दी शुरू कर दिया जाए। निर्माण काम तेजी से हो।

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यहां की स्थिति की जानकारी मैं रोज ले रहा था। विधायक नीरज बोरा ने आप लोगों के लिए सक्रिय भूमिका निभाई। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा- अभी हम लोग आ रहे थे। रक्षामंत्रीजी लगातार अधिकारियों से यहां का अपडेट ले रहे थे।



लखनऊ सांसद राजनाथ सिंह ने कहा- मैं यहां भाषण देने नहीं आया हूं। इस घड़ी में हम आपके साथ हैं, यह बताने आया हूं। मुकम्मल व्यवस्था की जा रही है। ताकि, अगर फिर कभी ऐसी बाढ़ आए तो फैजुल्लागंज को उसका सामना न करना पड़े।



10 हजार राहत पैकेट और आपके बीच आएंगे

राजनाथ सिंह ने कहा- 10 हजार राहत पैकेट और आप सबके बीच यहां पर लाए जाएंगे। जिसको आवश्यकता है, सभी को दिए जाएंगे। जिला प्रशासन पूरी तरह सजग है। हमारे सारे चिकित्सक लगे हुए हैं। जितना हम लोगों से हो सकेगा कि संकट की घड़ी में तत्पर रहेंगे। हम लोग आपके साथ खड़े हैं। यही विश्वास दिलाने के लिए आपके बीच आया हूं।

विधायक से महिला बोली- सपने में नाव आती है

राजनाथ सिंह के दाऊदनगर पहुंचने से 5 मिनट पहले स्पॉट पर बाढ़ प्रभावित शालू शुक्ला ने विधायक नीरज बोरा को घेर लिया। इस दौरान उन्होंने शिकायत की कि राहत सामग्री नहीं मिल रही है। आखिर यह पानी कब तक निकलेगा? 25 दिनों से हमारे घर में पानी भरा हुआ है। अपनी बहन के घर में रह रहे हैं। वहां कब तक रहेंगे? रात में सपने में नाव और पानी दिखता है। अभी हम घर में देखकर आए हैं। पानी नहीं निकला है।

अंडरवियर में 70 लाख का सोना छिपाकर लाया

पेस्ट बनाकर चिपकाए था, चाल देखकर शक हुआ

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट पर कस्टम विभाग ने एक यात्री के पास से करीब 70 लाख रुपए का सोना बरामद किया है। बुधवार को कस्टम अधिकारियों ने शारजाह से आए एक यात्री को लंगड़ाकर चलते हुए देखा। जब वे उससे पूछताछ करने पहुंचे, तो वह घबरा गया और गोलमोल जवाब देने लगा। अधिकारियों ने तलाशी ली तो पता चला कि यात्री ने 472.100 ग्राम सोना पेस्ट के रूप में प्लास्टिक के पैकेट में भरकर अंडरवियर के अंदर छिपा रखा था। उसने पैकेट को कमरबंद की तरह बांध रखा था, ताकि किसी को शक न हो। बरामद सोने की कीमत 70 लाख 81 हजार 500 रुपये आंकी गई है।

अधिकारियों ने सोना जब्त कर यात्री को हिरासत में ले लिया है। उसकी पहचान बिहार के गोपालगंज निवासी केदार महतो के रूप में हुई है। उससे पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि वह किसके इशारे पर सोना लखनऊ लाया और यहां किसे डिलीवरी देने वाला था। एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक, शारजाह से इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई-1424 बुधवार सुबह 7:20 बजे लखनऊ पहुंची। इसके बाद कस्टम डिपार्टमेंट की टीम यात्रियों की जांच कर रही थी।



लखनऊ पुलिस ने आरोपी पति को हिरासत में लिया, 5 बच्चों की मां थी मृतका

रस्सी से गला घोंटकर पति ने पत्नी को मार डाला

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज। लखनऊ में घरेलू विवाद के दौरान पति ने रस्सी से गला कसकर पत्नी की हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी शराब के नशे में था। घटना की सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने फॉरेंसिक टीम की मदद से साक्ष्य जुटाए और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आरोपी पति को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पूरा मामला मोहनलालगंज स्थित धनुवासांड गांव का है।

मृतका की पहचान रेखा देवी (40) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 14 और 15 अक्टूबर की दरमियानी रात करीब 1:30 बजे हत्या की सूचना मिली थी। शुरुआती जांच में घरेलू विवाद के दौरान हत्या किए जाने की बात सामने आई है। मृतका के बेटे प्रभात के मुताबिक, घटना वाली रात उनके पिता ने शराब पी रखी थी। इसके बाद मम्मी-पापा के बीच झगड़ा हुआ। प्रभात ने बताया कि उन्होंने खुद पूरी घटना नहीं देखी, उनके छोटे भाई ने कुछ देखा था। जब मां को देखा तो वह जमीन पर पड़ी थीं। बेटे ने मां को फंदे पर लटकाए जाने की बात से इनकार करते हुए रस्सी से गला कसकर हत्या किए जाने की आशंका जताई।



पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जरूरी साक्ष्य जुटाए। मृतका के बेटे प्रभात गौतम की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया की जा रही है। रेखा देवी के तीन बेटे और एक बेटी हैं। पुलिस आरोपी राधाकृष्ण पुत्र हरिलाल से पूछताछ कर रही है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद्, नवाबगंज, बाराबंकी

पत्रांक-1084/मु०का०/2026-27 दिनांक-15/10/2018

ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद्, नवाबगंज, बाराबंकी के पंजीकृत ठेकेदारों तथा शासनादेश संख्या 3890/नौ-5-19-149सा0/2019 नगर विकास अनुभाग-5 लखनऊ दिनांक 20.09.2019 के अनुसार एतद्वारा सूचित किया गया था कि 02 प्रतिशत अतिरिक्त स्टाम्प शुल्क मद से स्वीकृत कार्य को कराये जाने हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। टेण्डर की शर्तें, टेण्डर शेड्यूल तथा कार्य का नाम सहित विस्तृत विवरण वेबसाइट (http://etender.up.nic.in) पर उपलब्ध है।

क्र0सं0	विवरण	प्रारम्भ दिनांक एवं समय	अन्तिम दिनांक एवं समय
1.	प्रकाशन की तिथि	16.10.2026	
2.	निविदा डाउनलोड व अपलोड की तिथि	16.10.2026-11 :11:00 बजे से	22.10.2026- 02:00 बजे तक
3.	निविदा खुलने की तिथि	23.10.2026- 3:00 बजे से	
4.	निविदा खुलने का स्थान	नगर पालिका परिषद्, नवाबगंज, बाराबंकी	

आनलाइन निविदा के साथ जिलाधिकारी महोदय द्वारा जारी वैध चरित्र प्रमाण-पत्र, हैसियत प्रमाण-पत्र, स्वाघोषणा प्रमाण-पत्र, आयकर विभाग द्वारा निर्गत पैन नम्बर, जी०एस०टी० पंजीकृत प्रमाण-पत्र की प्रति के साथ-साथ प्रत्येक कार्य की निविदा शुल्क व धरोहर धनराशि अलग-अलग कार्यवार आर०टी०जी०एस० / नेफ्ट के माध्यम से नगर पालिका परिषद नवाबगंज, बाराबंकी के IDBI BANK, BARABANKI के ई-टेण्डरिंग खाता सं०-0315104000102247 IFSC Code IBKL0000315 में जमा किया जायेगा। बिना निविदा शुल्क व जमानत धनराशि के निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। कार्यों के आगणन इत्यादि की जानकारी किसी भी कार्य दिवस में पालिका कार्यालय में देखी जा सकती है। कार्यों का भुगतान बजट उपलब्धता के आधार पर किया जायेगा। सक्षम अधिकारी को यह अधिकार होगा कि कोई भी अथवा समस्त निविदायें बिना कारण बताये अस्वीकृत / निरस्त कर दें जिसका कोई भी क्लेम निविदादाता का मान्य न होगा। शासनादेश के अनुरूप जी०एस०टी० सहित समस्त कर अनुमन्य होंगे।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद, नवाबगंज, बाराबंकी।

(शीला सिंह) अध्यक्ष,
नगर पालिका परिषद्, नवाबगंज, बाराबंकी।

ऊंचाहार पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज किया

1200 ग्राम अवैध गांजा जब्त

कार्यवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। जिले में अवैध नशीले पदार्थों की बिक्री और तस्करी पर रोक लगाने के लिए पुलिस की ओर से अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक रवि कुमार के निर्देश पर चल रहे इस अभियान के तहत ऊंचाहार पुलिस टीम को कार्रवाई में सफलता मिली है। पुलिस ने थाना क्षेत्र के जमुनिहाहार बाईपास पर चेकिंग के दौरान एक आरोपी को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 1200 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। इस कार्रवाई को ऊंचाहार पुलिस टीम ने अंजाम दिया। टीम में

66 पुलिस के मुताबिक, जिले में अवैध नशीले पदार्थों की बिक्री और उनके कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए लगातार निगरानी और चेकिंग की जा रही है। इसी क्रम में ऊंचाहार थाना पुलिस की टीम जमुनिहाहार बाईपास पर चेकिंग कर रही थी। इस दौरान पुलिस ने एक संदिग्ध व्यक्ति को रोककर उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके पास से 1200 ग्राम गांजा बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और बरामद गांजे को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू की।



उपनिरीक्षक मनीष कुमार जायसवाल के साथ सिपाही लालप्रकाश दुबे, मोहित सिरोही और अक्षय सिंह समुन्द्रे शामिल रहे। पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान आरोपी को पकड़ने के बाद बरामद गांजे को कब्जे में लिया और नियमानुसार कार्रवाई की।

नशीले पदार्थों के खिलाफ अभियान जारी

पुलिस अधीक्षक रवि कुमार के निर्देश पर जिले में अवैध नशीले पदार्थों की बिक्री और तस्करी रोकने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत थाना क्षेत्रों में चेकिंग और संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी की जा रही है। ऊंचाहार क्षेत्र में की गई यह कार्रवाई भी इसी अभियान का हिस्सा है। पुलिस का कहना है कि अवैध नशीले पदार्थों से जुड़े मामलों में कार्रवाई जारी रहेगी और ऐसे मामलों में कानून के अनुसार कदम उठाए जाएंगे। पुलिस की इस कार्रवाई में 1200 ग्राम गांजे की बरामदगी के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

दुर्गानगर का निवासी है गिरफ्तार आरोपी

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी की पहचान शिवगोपाल पुत्र जवाहरलाल के रूप में की है। वह रायबरेली जिले के ऊंचाहार थाना क्षेत्र के दुर्गानगर का निवासी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के कब्जे से कुल 1200 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया है। गिरफ्तारी के बाद उसके खिलाफ ऊंचाहार थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया। आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आरोपी को जेल भेज दिया गया।

जमुनिहाहार बाईपास पर चेकिंग के दौरान गिरफ्तारी

ऊंचाहार थाना क्षेत्र के जमुनिहाहार बाईपास पर पुलिस की चेकिंग के दौरान यह कार्रवाई की गई। पुलिस टीम क्षेत्र में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रख रही थी। इसी दौरान आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गया। तलाशी में गांजा मिलने के बाद पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी को हिरासत में ले लिया।

बाराबंकी में क्रीड़ा प्रतियोगिता

बालक-बालिका वर्ग में प्रथम स्थान हासिल कर मेलारायगंज विद्यालय ने बढ़ाया मान

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में खंड शिक्षा अधिकारी सिरौली गौसपुर उपेन्द्र सिंह के नेतृत्व में कम्पोजिट विद्यालय मेलारायगंज में न्याय पंचायत स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष रामानंद ने किया। उन्होंने खिलाड़ियों को सद्भाव, खेल भावना और सकारात्मक प्रतिस्पर्धा के साथ प्रतिभाग करने का संदेश दिया। प्रतियोगिता में न्याय पंचायत के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। कबड्डी के जूनियर बालक वर्ग में कम्पोजिट विद्यालय मेलारायगंज ने प्रथम स्थान हासिल कर विजेता का खिताब अपने नाम किया, जबकि क. वि. सहरी की टीम उपविजेता रही। जूनियर बालिका वर्ग की कबड्डी प्रतियोगिता में भी कम्पोजिट विद्यालय मेलारायगंज ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में खेल अनुदेशक





इन्द्रेश यादव, राजन वर्मा और कमरूजहां ने निर्णायक की भूमिका निभाई। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक मो. इरफान, आशुतोष कुमार सहित न्याय पंचायत के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

फास्ट न्यूज

बाइक की टक्कर से घायल वृद्धा की मौत

उन्नाव। उन्नाव में हाजीपुर-रौतापुर रोड पर खेत जा रही वृद्धा को बाइक सवार ने पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल वृद्धा की इलाज के दौरान मौत हो गई। गुरुवार सुबह मौत की खबर घर पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर टक्कर मारने वाले बाइक सवार की तलाश कर रही है। हाजीपुर निवासी पाता देवी (60) पत्नी स्वर्गीय पृथ्वी पाल खेती-किसानी करती थीं।

कार और बाइक की टक्कर में युवक की मौत

हरदोई। हरदोई के संडीला कोतवाली क्षेत्र के आंसू सराय तिराहे के पास हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी घायल हो गया। दोनों बाइक से संडीला आ रहे थे। इसी दौरान गलत दिशा से आ रही इको कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल भूपेंद्र सिंह उर्फ गोलू को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके साथी नाजिम का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। कोतवाली प्रभारी अनुराग सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सड़क चौड़ीकरण के दौरान विवाद

उन्नाव। उन्नाव के गंगाघाट थाना क्षेत्र के पोनी रोड पर सड़क चौड़ीकरण के दौरान गुरुवार को अतिक्रमण हटाने को लेकर विवाद हो गया। आठ मीटर चौड़ी सड़क बनाने के लिए बुलडोजर से दुकानों और भवनों के हिस्से हटाए जा रहे थे। इसी दौरान एक दुकान का अधिक हिस्सा गिराए जाने से व्यापारी नाराज हो गए। व्यापारियों ने विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया और पहले तोड़े गए हिस्से का निर्माण कराने की मांग की।

स्कूल-कॉलेजों में साइबर सुरक्षा, महिला अधिकारों और करियर चयन पर दी जानकारी

मिशन शक्ति के तहत छात्र-छात्राओं को किया जागरूक



तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में मिशन शक्ति फेज-6.0 के तहत गुरुवार को जिले के विभिन्न स्कूल-कॉलेजों और थाना क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों को साइबर अपराधों से बचाव, ऑनलाइन ठगी की पहचान, सोशल मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल, महिला सुरक्षा और करियर चयन के बारे में जानकारी दी गई। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञ एवं उत्तर प्रदेश पुलिस के साइबर क्राइम सलाहकार रक्षित टंडन के ऑनलाइन कार्यक्रम का किंगसन इंटर कॉलेज और सेंट लॉरेंस कॉलेज में प्रसारण किया गया। वहीं, पुलिस की मिशन शक्ति टीमों ने बारासगवर और अजगैन



क्षेत्र में भी जागरूकता अभियान चलाया। किंगसन इंटर कॉलेज में सुबह 11:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम में विद्यार्थियों को साइबर अपराधों और डिजिटल धोखाधड़ी से बचने के तरीके बताए गए। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य अहमद मोहनिस रिजवी के साथ साइबर क्राइम थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश यादव और पुलिसकर्मी मौजूद रहे। सेंट लॉरेंस कॉलेज में आयोजित लाइव कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, संदिग्ध लिंक और सोशल मीडिया के सुरक्षित इस्तेमाल के प्रति जागरूक किया गया। साइबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल 1930 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराने की जानकारी दी गई। इसके साथ ही महिला सुरक्षा के लिए 1090, आपातकालीन सहायता के लिए 112, महिला हेल्पलाइन 181 और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के फादर एलाइज़ काटूजा सहित पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

महिला सुरक्षा और अधिकारों की दी जानकारी

थाना बारासगवर की मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को नारी सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के प्रति जागरूक किया।

उन्हें मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, महिला हेल्पलाइन 1090, आपातकालीन सेवा 112, साइबर हेल्पलाइन 1930 और स्वास्थ्य आपातकालीन सेवा 108 की जानकारी दी गई। पुलिस ने महिलाओं को किसी भी समस्या के समय बिना संकोच सहायता लेने के लिए प्रेरित किया।

करियर चयन के बताए तरीके

थाना अजगैन पुलिस की मिशन शक्ति टीम ने राजकीय इंटर कॉलेज चमरौली में करियर गाइडेंस, काउंसलिंग और साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। छात्र-छात्राओं को लक्ष्य निर्धारित करने और शिक्षा, पुलिस, बैंकिंग तथा तकनीकी क्षेत्रों में करियर बनाने के अवसरों की जानकारी दी गई।

बाराबंकी में खाद्य विभाग की छापेमारी

8 नमूने जांच को भेजे, मैकडोनाल्ड्स समेत 5 फूड प्रतिष्ठानों को नोटिस

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में नवरात्र और दशहरा के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा विभाग ने सघन जांच अभियान चलाया। टीम ने गल्ला मंडी समेत कई खाद्य प्रतिष्ठानों पर पहुंचकर जांच की।

इस दौरान फलाहारी खाद्य पदार्थों के आठ नमूने जांच के लिए भेजे गए।

छापेमारी की सूचना मिलते ही कई दुकानदार अपनी दुकानें बंद कर मौके से फरार हो गए। विभाग ने त्योहारों के दौरान लोगों को सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह अभियान तेज किया है।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी से जुड़े मैकडोनाल्ड्स, हेजलनट, तक्षार्य फूड वर्क्स, बन एंड ब्रूज और ला पिनोज समेत पांच



प्रतिष्ठानों में कमियां मिलीं। इन्हें सुधारने के लिए इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी किए गए हैं।

इसके अलावा, पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर फर्म H.B. Food And Beverages का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया। पवार इंडस्ट्रीज (Pawar Industries) को भी लाइसेंस निलंबन का नोटिस मिला है। विभाग ने साफ किया है कि नवरात्र और दशहरा के दौरान जांच अभियान जारी रहेगा। मिलावट या गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

हरदोई में ट्रैक्टर को लेकर विवाद, भीम आर्मी का प्रदर्शन

जिलाध्यक्ष ने लगाया पुलिस पर अभद्रता का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई जिले के टड़ियावां थाना क्षेत्र के भड़ायल चौकी परिसर में बुधवार रात भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने ट्रैक्टर छुड़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष करण वर्मा की अगुवाई में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने पुलिस से ट्रैक्टर तत्काल छोड़ने की मांग की। करीब दो घंटे तक चले प्रदर्शन के बाद सीओ हरियावां लक्ष्मीकांत गौतम के निष्पक्ष कार्रवाई के आश्वासन पर कार्यकर्ता शांत हुए। प्रदर्शन बुधवार रात करीब 9:30 बजे शुरू हुआ और रात 11:30 बजे समाप्त हुआ। बृहस्पतिवार सुबह 10:30 बजे टड़ियावां थानाध्यक्ष इख्तियार हुसैन ने बताया कि मामले की गहनता से



जांच की जा रही है। पूरा मामला टड़ियावां थाना क्षेत्र के परसपुर गांव का है। गांव निवासी भीम आर्मी कार्यकर्ता वीरेंद्र कुमार का ट्रैक्टर राहुल गुप्ता के लकड़ी डिपो पर लकड़ी उठाने के काम में लगा था। करीब 15 दिन पहले लकड़ी उतारने के दौरान एक बोटा डिपो की बाउंड्री वॉल से टकरा गया, जिससे दीवार क्षतिग्रस्त हो गई। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच दीवार की मरम्मत को लेकर बातचीत हुई। आरोप है कि इसी दौरान राहुल गुप्ता ने ट्रैक्टर अपने पास रोक लिया। सात अक्टूबर को वीरेंद्र अपने चालक और भीम आर्मी के उपाध्यक्ष राजपाल वर्मा के साथ विवाद सुलझाने पहुंचे। वहां कहासुनी होने पर पुलिस को बुलाया गया। इसके बाद पुलिस ट्रैक्टर को भड़ायल चौकी ले आई। बुधवार रात करीब 9:30 बजे भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष करण वर्मा अपने कार्यकर्ताओं के साथ भड़ायल चौकी पहुंचे और ट्रैक्टर को तत्काल छोड़ने की मांग की। हालांकि, पुलिस का कहना था कि मामले की जांच पूरी होने के बाद ही ट्रैक्टर छोड़ा जाएगा। इस बात पर कार्यकर्ताओं ने चौकी परिसर में ही विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया, जो करीब दो घंटे तक चला।

24 अगस्त से खाली था पद, पूर्व जिला जज अनिल कुमार का हरदोई हुआ था तबादला

सहारनपुर के जिला जज सत्येंद्र कुमार का उन्नाव तबादला

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव जिले को नया जिला जज मिल गया है। सहारनपुर में जिला जज के पद पर तैनात सत्येंद्र कुमार का तबादला उन्नाव कर दिया गया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गुरुवार को उनके स्थानांतरण का आदेश जारी किया। दोपहर में आदेश सामने आने के बाद न्यायिक महकमे में इसकी जानकारी हुई। सत्येंद्र कुमार की नई तैनाती से जिले में कई सप्ताह से रिक्त चल रहे जिला जज के पद पर नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया है। उन्नाव में जिला जज का पद 24 अगस्त से खाली चल रहा था। इससे पहले इस पद पर अनिल कुमार तैनात थे। 24 अगस्त को उनका उन्नाव से हरदोई तबादला कर दिया गया था। उन्हें हरदोई में परिवार



न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उनके स्थानांतरण के बाद से उन्नाव में जिला जज का पद रिक्त था। अब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सहारनपुर में तैनात सत्येंद्र कुमार को उन्नाव भेजने का आदेश जारी किया है। जिला जज अनिल कुमार के स्थानांतरण के बाद उन्नाव में यह महत्वपूर्ण न्यायिक पद खाली हो गया था। उनके हरदोई जाने के बाद जिले में नए जिला जज की तैनाती का इंतजार किया जा रहा था। गुरुवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट की ओर से सत्येंद्र कुमार के स्थानांतरण का आदेश जारी होने के बाद इस पद पर नियुक्ति का रास्ता साफ हो गया। सत्येंद्र कुमार वर्तमान में सहारनपुर में जिला जज के पद पर तैनात थे। हाईकोर्ट के आदेश के तहत उन्हें उन्नाव स्थानांतरित किया गया है। उनके स्थानांतरण की जानकारी सामने आने के बाद न्यायिक महकमे में इसकी चर्चा शुरू हो गई। हालांकि, उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख के संबंध में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

हाईकोर्ट ने जारी किया स्थानांतरण आदेश

इलाहाबाद हाईकोर्ट की ओर से न्यायिक अधिकारियों के स्थानांतरण के क्रम में सत्येंद्र कुमार को उन्नाव भेजा गया है। वह सहारनपुर में जिला जज के पद पर कार्यरत थे। अब उन्हें उन्नाव में जिला जज की जिम्मेदारी संभालनी है। हालांकि, उनके कार्यभार ग्रहण करने की तारीख को लेकर फिलहाल कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

जिला जज जिला न्यायालय की न्यायिक और प्रशासनिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। न्यायालय के प्रशासनिक कार्यों के साथ न्यायिक कामकाज का सुचारु संचालन भी उनकी जिम्मेदारियों में शामिल है। ऐसे में जिला जज के पद पर नई नियुक्ति से जिले की न्यायिक व्यवस्था को नियमित नेतृत्व मिलने की उम्मीद है।

कार्यक्रम : मां पूर्वी देवी मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद बोले- गांव और परिवार की तलाश

पूर्वजों की जन्मभूमि खोजने उन्नाव पहुंचे बृजभूषण सिंह



तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह गुरुवार दोपहर असोहा क्षेत्र स्थित आदि शक्ति पीठ मां पूर्वी देवी मंदिर पहुंचे। यहां कार्यक्रम के आयोजक सतीश त्रिपाठी ने उनका स्वागत किया। बृजभूषण शरण सिंह के साथ गोल्डी सिंह भी हेलीकॉप्टर से पहुंचे। मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद उन्होंने स्थानीय लोगों से संवाद किया और अपने पूर्वजों से जुड़े इतिहास का जिक्र किया। बृजभूषण शरण सिंह ने पुरवा तहसील को अपने पूर्वजों की जन्मभूमि और कर्मभूमि बताते हुए



कहा कि उनका यहां से पारिवारिक जुड़ाव है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह किसी राजनीतिक उद्देश्य से नहीं, बल्कि अपने पूर्वजों की जड़ों को तलाशने और उनसे जुड़े लोगों के साथ संबंध बनाने के लिए यहां आए हैं। बृजभूषण शरण सिंह ने बताया कि उनके पूर्वज उन्नाव की पुरवा तहसील के रंजीत पूर्वा गांव से गोंडा गए थे। उनके अनुसार, वर्ष 1857 के दौर में अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष के कारण उनके पूर्वजों को यहां से जाना पड़ा था। उन्होंने बताया कि उनके घर में बने ठाकुरद्वारे के जीर्णोद्धार के दौरान भी पूर्वजों के इतिहास से जुड़ी जानकारियों का उल्लेख मिला था। वह लंबे समय से अपने पूर्वजों के गांव और परिवार से जुड़े लोगों की तलाश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे यह कहते हुए गर्व है कि मैं किसी राजा-महाराजा का बेटा नहीं हूं।



राष्ट्रकथा में शामिल होने के लिए सभी को दिया निमंत्रण

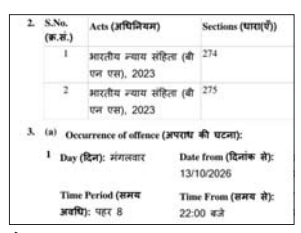
बृजभूषण शरण सिंह ने स्थानीय लोगों को राष्ट्रकथा के आयोजन में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में अमीर हो या गरीब, हर व्यक्ति आ सकता है। आने वाले लोगों के खाने और रहने की व्यवस्था वह स्वयं कराएंगे। उन्होंने कहा कि 10 हजार या 20 हजार लोग भी आएंगे तो सभी के लिए व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने स्थानीय लोगों से भी कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की।

हानिकारक दूध बेचने वाले संडीला डेयरी संचालक पर केस दर्ज

13 अक्टूबर की देर रात हुई थी छापेमारी, बरामद हुए थे संदिग्ध रसायन

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई जनपद के संडीला इंडस्ट्रियल एरिया में हानिकारक खाद्य व पेय पदार्थ बनाने तथा बिक्री करने के मामले में डेयरी संचालक पर एफआईआर दर्ज हो गई है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी कुमार चित्रसेन की तहरीर पर संडीला कोतवाली में बुधवार की रात 10:36 बजे यह रिपोर्ट दर्ज कराई गई। 13 अक्टूबर को हुई छापेमारी में 38000 लीटर दूध व संदिग्ध रसायन बरामद हुए थे। बृहस्पतिवार की दोपहर 1:30 बजे सहायक आयुक्त कुमार गुंजन ने बताया कि इस तरह की छापेमारी जारी रहेगी। 13 अक्टूबर की देर रात खाद्य सुरक्षा विभाग, एसडीएम संडीला नारायणी भाटिया तथा स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम ने सूचना के आधार पर डेयरी परिसर में छापेमारी की। निरीक्षण के दौरान



S.No. (क्र.सं.)	Acts (अधिनियम)	Sections (धारा(एँ))
1	भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023	274
2	भारतीय न्याय संहिता (बी एन एस), 2023	275

3. (a) Occurrence of offence (अपराध की घटना):

Day (दिन): मंगलवार	Date from (दिनांक से): 13/10/2026
Time Period (समय अवधि): पहर 8	Time From (समय से): 22:00 बजे

डेयरी संचालक प्रदीप कुमार गुप्ता (पुत्र राजाराम गुप्ता, निवासी ग्राम मोहम्मदपुर बेलवारन) मौके पर मौजूद मिले। जांच के दौरान परिसर में एक टैंकर में 22,000 लीटर, दूसरे टैंक में 16,000 लीटर, डक में 200 लीटर तथा डिब्बे में 10 लीटर यानी कुल मिलाकर लगभग 38,210 लीटर मिश्रित दूध बिक्री हेतु भण्डारित पाया गया। छापेमारी के दौरान डेयरी परिसर में दूध के विशाल भंडार के साथ खतरनाक संदिग्ध रसायन भी बरामद हुए। नीले रंग के ड्रम में 10 लीटर अज्ञात तरल पदार्थ, बोरी में सफेद रंग का ठोस पदार्थ तथा 25-25 किलोग्राम की 4 बोरियां लैक्टोज (Lactose) मिलीं। जब अधिकारियों ने इन रसायनों के प्रयोग के बारे में पूछा, तो संचालक कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। अधिकारियों के अनुसार मानव स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक इन रसायनों का प्रयोग दूध में मिलावट (अपमिश्रक) के रूप में किया जा रहा था। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने मौके से दूध के 4 तथा संदिग्ध रसायनों के 3 अलग-अलग नमूने लेकर सभी अपमिश्रकों को सीज कर दिया। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी एस.के. श्रीवास्तव, एफएसओ मान सिंह निरंजन और एफएसओ कुमार चित्रसेन की मौजूदगी में पुलिस ने आरोपी संचालक प्रदीप कुमार गुप्ता के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 274, 275 व अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

सम्पादकीय

नशे से जूझता पंजाब



लंबे समय से नशे की समस्या से जूझ रहा पंजाब ड्रग्स तस्करी रोकने में किस तरह नाकाम है, इसका उदाहरण है पंजाब पुलिस के एक कांस्टेबल के घर से 40 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद होना। इस कांस्टेबल की ड्यूटी ही ड्रग्स तस्करी रोकने की थी, लेकिन वही इस अपराध में लिप्त पाया गया। यह एक तरह से बाड़ खेत को खाए वाला मामला है। पंजाब में ड्रग्स के धंधे में लिप्त लोगों से लड़ना कितना कठिन है, इसका एक अन्य उदाहरण वह घटना भी है, जिसमें नशे के खिलाफ आवाज उठाने वाले एक व्यक्ति की हत्या कर दी गई। इसके पहले भी ऐसे लोगों को धमकियां मिली हैं या फिर उन पर हमले हुए हैं।

पंजाब से हर दिन ऐसी खबर आती है कि कहीं ड्रग्स की खेप बरामद की गई, कहीं ड्रग्स तस्करी का नेटवर्क ध्वस्त किया गया, कहीं ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार किया गया या फिर नशे के लती किसी युवा ने दम तोड़ दिया। एक समय था जब मादक पदार्थों की पहुंच और उसका सेवन शहरी इलाकों तक ही सीमित था, लेकिन अब तो गांवों में भी तरह-तरह की सिंथेटिक ड्रग्स पहुंच रही हैं। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि जगह-जगह नशा मुक्ति केंद्रों के साथ नशा मुक्ति अभियान भी चल रहा है, क्योंकि नशे के लती युवकों की संख्या कम होने का नाम नहीं ले रही है। अनेक युवा असमय ही काल के गाल में समा जा रहे हैं या शारीरिक-मानसिक रूप से इतने अशक्त हो जा रहे हैं कि परिवार वालों के लिए बोझ बन जा रहे हैं। राज्य में नशे के आदी लोगों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। युवक ही नहीं, युवतियां भी नशे की लत का शिकार बन रही हैं। जो पंजाब एक समय हष्ट-पुष्ट और मेहनतकश युवाओं के लिए जाना जाता था, वहां के तमाम युवा आज नशे की लत का शिकार होकर अपनी सेहत और अपना भविष्य बर्बाद कर रहे हैं। इसी कारण सेना और अर्धसैनिक बलों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सक्षम युवा मिलने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। यह स्थिति यही बताती है कि पंजाब में नशे की उपलब्धता ने एक गंभीर संकट खड़ा कर दिया है। यह निराशाजनक है कि पंजाब में जो भी पार्टी इस बड़े वादे के साथ सत्ता में आई कि वह राज्य को ड्रग्स की समस्या से मुक्ति दिलाएगी, वह नाकाम ही रही।

इस नाकामी के मूल में राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी नजर आती है। पंजाब में ऐसे नेताओं की कमी नहीं, जिन पर ड्रग्स तस्करों को संरक्षण देने के आरोप लगते रहते हैं। इससे इनकार नहीं कि पाकिस्तान पंजाब की युवा पीढ़ी को बर्बाद करने के लिए ड्रग्स भेज रहा है, लेकिन वह ऐसा इसीलिए कर पा रहा है, क्योंकि राज्य में ड्रग्स का धंधा करने वाले काबू में नहीं आ पा रहे हैं। पंजाब नशे की जकड़न से तभी मुक्त होगा, जब इस समस्या से युद्धस्तर पर निपटा जाएगा।

> 66
> **पाकिस्तान से लगी पंजाब की लगभग 553 किलोमीटर लंबी सीमा इस चुनौती को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ती है। ड्रोन के माध्यम से नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी की आशंकाएं सीमा प्रबंधन को और जटिल बनाती हैं।**

पंजाब में नशे का तांडवः वर्दी बनी त्रासदी



पंजाब की धरती कभी शौर्य, पराक्रम, मेहनत, उद्यमशीलता और जीवटता के लिए जानी जाती थी। इसी मिट्टी के नौजवानों ने देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी और खेतों में पसीना बहाकर देश का अन्न भंडार भरा। लेकिन आज उसी पंजाब की पहचान नशे के बढ़ते कारोबार, युवाओं की बर्बादी और ड्रग्स माफिया के बढ़ते प्रभाव से जुड़ती जा रही है। यह केवल एक राज्य की सामाजिक त्रासदी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, शासन-व्यवस्था और राजनीतिक इच्छाशक्ति की गंभीर परीक्षा है। जिस पंजाब के युवाओं के हाथों में कभी तलवार, हल और तिरंगा शोभा देते थे, वहां आज नशे ने अनेक हाथों को बेबस और अनेक परिवारों को बदहवास कर दिया है। विडंबना देखिए कि नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी जिन पुलिसकर्मियों की है, यदि उन्हीं के घर से करोड़ों रुपये की हेरोइन बरामद होने की खबर सामने आती है, तो यह व्यवस्था के लिए खतरे की घंटी है। पंजाब में एक पुलिस कांस्टेबल के घर से कथित तौर पर 40 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद होने का मामला इसी सड़ांध की ओर संकेत करता है। यह घटना महज एक आपराधिक प्रकरण नहीं, बल्कि उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जिसमें अपराध रोकने के लिए नियुक्त व्यक्ति ही कथित तौर पर अपराध के संदेह के घेरे में आ जाए। यह तो वही स्थिति हुई कि 'बाड़ ही खेत को खाने लगे', तो फसल की रखवाली कौन करेगा? जिस पुलिस के कंधों पर नशा तस्करों को पकड़ने का दायित्व है, यदि उसी व्यवस्था के भीतर ऐसे तत्व पनपने लगें, तो आम नागरिक का भरोसा डगमगाना स्वाभाविक है। इस मामले में निष्पक्ष जांच, दोषियों की पहचान और कठोर कानूनी कार्रवाई जरूरी है। किसी व्यक्ति को केवल आरोप के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन वर्दी की आड़ में अपराध करने वाले किसी भी व्यक्ति को कानून से बचने का अवसर भी नहीं मिलना चाहिए। पंजाब में नशे का कारोबार अब गलियों, गांवों और कस्बों तक अपनी जड़ें फैला चुका है। कभी नशे की समस्या को सीमावर्ती क्षेत्रों या शहरी युवाओं तक सीमित माना जाता था, लेकिन आज सिंथेटिक ड्रग्स सहित विभिन्न मादक पदार्थों की उपलब्धता ने संकट को और व्यापक बना दिया है। युवा पीढ़ी का एक हिस्सा नशे की गिरफ्त में आकर अपना स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और भविष्य गंवा रहा है। कहीं मां की गोद सूनी हो रही है, कहीं वृद्ध पिता के बुढ़ापे का सहारा छिन रहा है और कहीं परिवार का कमाऊ सदस्य नशे की लत के कारण स्वयं अपने परिजनों पर बोझ बन रहा है। 'घर का चिराग ही घर में अंधेरा कर दे', इससे बड़ी विडंबना क्या होगी! नशे की लत केवल व्यक्ति को नहीं तोड़ती, बल्कि पूरे परिवार और सामाजिक ताने-बाने को भीतर तक खोखला कर देती है। इस संकट की गंभीरता सरकारी आंकड़ों और पुलिस की कार्रवाइयों से भी समझी जा सकती है। उपलब्ध विवरणों के अनुसार दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 10,524 तस्करों को गिरफ्तार किया, जिनमें 153 बड़े ऑपरेटर शामिल थे। इस दौरान 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य मादक पदार्थों के साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक की ड्रग मनी जब्त की गई तथा नशे के कारोबार से जुड़ी 208 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति पर कार्रवाई की गई। ये आंकड़े कार्रवाई के पैमाने को अवश्य दर्शाते हैं, लेकिन साथ ही यह सवाल भी उठाते हैं कि इतनी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ आखिर राज्य में पहुंच कैसे रहे हैं? इतनी गिरफ्तारियों और जब्ती के बावजूद यदि नशे की उपलब्धता और लत पर निर्णायक अंकुश नहीं लग रहा, तो स्पष्ट है कि समस्या की जड़ें गहरी हैं। 'मर्ज बढ़ता गया, ज्यों-ज्यों दवा की' जैसी स्थिति से बचने के लिए गिरफ्तारियों की संख्या से आगे बढ़कर नशे की आपूर्ति, वित्तीय नेटवर्क और राजनीतिक संरक्षण की पड़ताल करनी होगी। वर्ष 2026 में अब तक पंजाब की सीमा से 183 ड्रोन जब्त किए जाने का उल्लेख इस खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है। सीमा पार से संचालित तस्करी के नेटवर्क पर प्रहार करना आवश्यक है, लेकिन सारी जिम्मेदारी बाहरी ताकतों पर डालकर राज्य के भीतर की कमजोरियों से आंखें नहीं मूंदी जा सकतीं। यदि स्थानीय तस्कर, संगठित गिरोह और भ्रष्ट तंत्र मिलकर काम कर रहे हों, तो सीमा पर कड़ी निगरानी के साथ-साथ भीतर भी कठोर कार्रवाई करनी होगी। 'दूध का दूध और पानी का पानी' करने वाली जांच ही बता सकती है कि इस काले कारोबार में कौन मोहरा है, कौन खिलाड़ी और कौन पर्दे के पीछे बैठा सूत्रधार। आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार ने नशामुक्ति और तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई को लेकर अनेक दावे किए हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये दावे जमीन पर उतना परिवर्तन ला पाए हैं, जिसकी अपेक्षा पंजाब की जनता ने की थी? सत्ता में आने से पहले नशे के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई के वादे करना आसान है, लेकिन उस लड़ाई को परिणाम तक पहुंचाना राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक ईमानदारी और निरंतर जवाबदेही मांगता है। यदि नशे की उपलब्धता बनी हुई है, युवा लगातार इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं और तस्करी के नेटवर्क बार-बार सक्रिय हो जाते हैं, तो सरकार की रणनीति और उसके क्रियान्वयन पर सवाल उठना स्वाभाविक है। केवल छापेमारी, गिरफ्तारी और घोषणाओं से नशामुक्त पंजाब का सपना साकार नहीं होगा। सरकार की सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि नशे की आपूर्ति कितनी घटी, कितने युवा उपचार के बाद सामान्य जीवन में लौटे और बड़े तस्करों तथा उनके संरक्षकों के विरुद्ध कितनी प्रभावी कार्रवाई हुई। नशे के खिलाफ लड़ाई में पुलिस सुधार, आधुनिक तकनीक, सीमा सुरक्षा और वित्तीय जांच के साथ-साथ नशामुक्ति केंद्रों, मनोवैज्ञानिक परामर्श, रोजगार और पुनर्वास पर भी समान ध्यान देना होगा। नशे के शिकार युवाओं को केवल अपराधी मानकर खारिज करना समाधान नहीं है, उन्हें उपचार, सहारा और सम्मानजनक जीवन में लौटने का अवसर देना भी जरूरी है। गांवों में जनभागीदारी, स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता और परिवारों की सक्रिय भूमिका इस अभियान को जनांदोलन का स्वरूप दे सकती है। साथ ही, पुलिस और राजनीतिक तंत्र में किसी भी स्तर पर संरक्षण देने वालों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। पंजाब को नशे की गिरफ्त से निकालना केवल सरकार का नहीं, पूरे समाज का दायित्व है, लेकिन नेतृत्व की पहली जवाबदेही सरकार की ही है। जब कानून के रखवाले ही संदेह के घेरे में आने लगें और करोड़ों की हेरोइन की बरामदगी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े करे, तब आत्ममंथन टालना आत्मघाती होगा। 'लकीर पीटने' के बजाय अब निर्णायक परिणाम देने का समय है। पंजाब को खोखले नारों नहीं, कठोर कार्रवाई, पारदर्शी जांच और जवाबदेह शासन की जरूरत है। नशा माफिया की जड़ें उखाड़ने के लिए राजनीतिक संरक्षण की दीवारें तोड़नी होंगी और कानून का भय हर अपराधी तक पहुंचाना होगा। अन्यथा नशे का यह तांडव पंजाब की युवा शक्ति को ही नहीं, देश की सामाजिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को भी गंभीर क्षति पहुंचाता रहेगा।

- ललित गर्ग

यूपी चुनावः अयोध्या, गोरखपुर और संभल में आखिर क्यों दी जा रही है चुनौती?

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की आहट के साथ ही प्रदेश की राजनीति में बयानबाजी और चुनौती देने का दौर तेज हो गया है। अयोध्या, गोरखपुर और संभल जैसे महत्वपूर्ण राजनीतिक क्षेत्रों के नाम लेकर नेताओं के बीच सीधी चुनावी टक्कर की बात की जा रही है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बीच अयोध्या से चुनाव लडने को लेकर शुरू हुई जुबानी जंग में अब एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी अपनी चुनौती जोड़ दी है। उन्होंने योगी आदित्यनाथ को संभल और अखिलेश यादव को गोरखपुर से चुनाव लडने की चुनौती दी है। इस घटनाक्रम ने उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक नया सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर इन तीन स्थानों को लेकर इतनी राजनीतिक गर्मी क्यों है? दरअसल, यह केवल तीन विधानसभा क्षेत्रों का मामला नहीं है बल्कि इसके पीछे धार्मिक प्रतीक, राजनीतिक प्रभाव, सामाजिक समीकरण और सत्ता के प्रति जनता के रुख को समझने की कोशिश भी दिखाई देती है। इन चुनौतियों के माध्यम से राजनीतिक दल अपने विरोधियों को उनके स्थापित प्रभाव क्षेत्रों से बाहर निकलकर जनता का सामना करने के लिए कह रहे हैं। अयोध्या का नाम आते ही राम मंदिर, धार्मिक आस्था और भारतीय राजनीति में उसके प्रभाव की चर्चा स्वाभाविक है। पिछले कुछ वर्षों में अयोध्या में बड़े पैमाने पर विकास परियोजनाएं शुरू हुई हैं। सड़कें, परिवहन सुविधाएं, पर्यटन और धार्मिक गतिविधियों से जुड़ा बुनियादी ढांचा राजनीतिक विमर्श का प्रमुख हिस्सा बना है। भारतीय जनता पार्टी के लिए अयोध्या धार्मिक आस्था और विकास के दावों को प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण केंद्र रही है। लेकिन वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में फैजाबाद सीट पर समाजवादी पार्टी के अवधेश प्रसाद की जीत ने यह स्पष्ट किया कि धार्मिक महत्व और चुनावी परिणामों के बीच सीधा तथा सुनिश्चित संबंध मान लेना उचित नहीं है। अयोध्या विधानसभा क्षेत्र में भाजपा को बढ़त जरूर मिली थी, लेकिन फैजाबाद लोकसभा सीट का परिणाम विपक्ष के लिए राजनीतिक उत्साह का कारण बना।

- सौरभ वाष्णेय

तमाम ऐसे इस्लामिक...

डा .रमेश ठाकुर

दूसरों का हक़ छीनने जैसा है भोजन की बर्बादी ?



भोजन मूलभूत आवश्यकताओं के अलावा, प्रत्येक इंसान का बुनियादी अधिकार भी है। भोजन अनमोल है जिसका सम्मान करना सभी का कर्तव्य है। आज 'विश्व खाद दिवस' है जो सालाना 16 अक्टूबर को पूरे संसार में इस मकसद से मनाया जाता है कि अन्न की बर्बादी को रोकने के लिए जनमानस को जागरूक किया जाए। नवंबर 1979 को संयुक्त राष्ट्र के खाद एवं कृषि संगठन के 20वें सम्मेलन में खाद दिवस को मनाने का निर्णय हुआ जिसका पहली बार आयोजन वर्ष 1981 में हुआ। दुनिया में भूख से बढ़ते कुपोषण पर नियंत्रण को ध्यान में रखकर संयुक्त राष्ट्र ने वैश्विक संघों को चेताया था। ये दिवस इस बात पर ज्यादा जोर देता है कि हमें थाली में उतना ही भोजन परोसना चाहिए, जितने की पेट को जरूरत हो। ज्यादा भोजन लेंगे तो निश्चित रूप से बर्बाद ही होगा। फूड इंडेक्स पर यूएनईपी-2024 की रिपोर्ट के मुताबिक हिंदुस्तान में सालाना करीब 7.8 करोड़ टन भोजन बर्बाद होता है जिसका औसत लगभग 21.4 करोड़ किलोग्राम प्रतिदिन आंका गया। विश्व खाद दिवस-2025 की थीम थी 'बेहतर भोजन और बेहतर भविष्य साथ-साथ' जो एग्रीफूड सिस्टम को बदलने में वैश्विक सहयोग की शक्ति को उजागर करती है।भोजन बर्बादी की समस्या संसार में बड़ी आफत के रूप में उभरी है। ऐसे तमाम मुल्क हैं जहां अन्न का उत्पादन शून्य है और दूसरे देशों के उत्पाद-भोजन पर ही निर्भर हैं, बावजूद इसके बेहताशा भोजन बर्बाद करते हैं। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण की 'फूडवेस्टाइज इंडेक्स रिपोर्ट-2026' सामने आई जिसमें दुनिया भर में 1.05 अरब टन भोजन बर्बाद होता बताया गया जिससे नई किस्म की न सिर्फ बीमारियां-वायरस फैले, बल्कि पर्यावरण भी दूषित हुआ। भारत में पिछले 10 वर्षों में अन्न उत्पादन 90 मिलियन मीट्रिक टन पिछले एक दशक से ज्यादा हुआ है। धरती पर मात्र भारत ही एक ऐसा मुल्क है जो करीब 76 देशों को विभिन्न किस्म का अन्न सप्लाई करता है जिसमें चीनी, दालें, चावल, मखाने, सरसों और सब्जियां प्रमुख रूप से शामिल हैं।

तमाम ऐसे इस्लामिक देश हैं जो भारत में उत्पादित बासमती चावल ही पसंद करते हैं। ईरान-ईराक में चावल की सप्लाई सिर्फ भारत से ही होती है। अन्न निर्यात के लिहाज से भारत विश्व का बड़ा बाजार बनकर इस समय उभरा है। संसार में भारत दूध और बाजरे के निर्माण में नंबर वन पायदान है। वर्ष 2014 के बाद से हिंदुस्तान शहद, अंडे, मछलियां और फल-सब्जियों के उत्पादन में दूसरे स्थान पर काबिज हुआ है। जबकि, कभी चौथे स्थान पर हुआ करता था। भूखे सोना विकसित संसार के माथे पर कलंक जैसा है। भूख के आंकड़े आज भी डरावने हैं। संसार का एक बड़ा इंसानी हिस्सा अभी भी रात में भूखे पेट सोता है। जबकि, रोजाना जितनी भोजन की बर्बादी होती है, थालियों में खाने को व्यर्थ करके लोग फेंक देते हैं, अगर ऐसा ना किया जाए, तो भूखे सोने वालों के आंकड़ों में कमी लाई जा सकती है। भोजन की बर्बादी से न केवल अन्न और धन का नुकसान होता है, बल्कि पानी,बिजली और अन्नदाताओं की सालाना मेहनत भी बेकार होती है। इससे पर्यावरण पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। भूख से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर सभी देशों को चेताना होगा। भूख और अन्न बर्बादी के नियंत्रण पर भारत जैसी पहल अन्य देशों को भी करनी होगी। राष्ट्रीय खाद सुरक्षा अधिनियम-2013 से प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, पीएम पोषण योजना, अंत्योदय अन्न योजना, राइस फोर्टिफिकेशन और प्राइस स्अेबिलाइजेशन फंड जैसी प्रमुख पहले भारत की खाद और पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ कर रही हैं। भारत में 80 करोड़ लोग मुफत अन्न वितरण योजना के लाभार्थी हैं, इसलिए सरकार का प्रयास है कि कोई भी व्यक्ति भूखे पेट नहीं सोए। लेकिन भोजन की बर्बादी भारत में भी कम नहीं है। आंकड़े इस समस्या के गवाह हैं। विश्व खाद दिवस संयुक्त राष्ट्र के खाद एवं कृषि संगठन की स्थापना का प्रतीक है जिसे पहली बार औपचारिक रूप से 1981 में 'भोजन सर्वप्रथम' विषय वस्तु के साथ मनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1984 में इस दिवस को मान्यता दी जिसके बाद एक साथ 150 देशों का समूह बना, जो सामूहिक प्रयासों से भूख और अन्न बर्बादी से लड़ाई लड़ रहे हैं। हालांकि, सफलता उतनी नहीं मिली, जितनी उम्मीदें लगाई गईं थीं। बहरहाल, आज का दिन खाद सुरक्षा, पोषण टिकाउ, कृषि पद्धतियों के विषय में ना सिर्फ जागरूक करता है, बल्कि सुरक्षित, पर्याप्त और पौष्टिक भोजन की उपलब्धता में आने वाली चुनौतियों से लड़ने की सीख भी देता है।

प्रदेश में बढ़ती...

प्रवीण मालवीय

योगी सरकार में ऊर्जा क्षेत्र ने लिखी विकास की नई कहानी, मजबूत हुआ बिजली तंत्र

मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने पिछले साढ़े नौ वर्षों में ऊर्जा क्षेत्र में व्यापक बदलाव करते हुए विद्युत उत्पादन, पारेषण, वितरण और उपभोक्ता सेवाओं के क्षेत्र में आधुनिक, मजबूत और तकनीक आधारित ऊर्जा तंत्र विकसित किया है। प्रदेश सरकार की प्राथमिकता हर घर को पर्याप्त बिजली उपलब्ध कराने के साथ-साथ किसानों, उद्योगों, व्यापारियों और आम उपभोक्ताओं को बेहतर विद्युत सेवाएं उपलब्ध कराना प्रमुख रहा है। इसी का परिणाम है कि आज उत्तर प्रदेश की बिजली व्यवस्था पूर्व की सरकार की तुलना में अधिक सुदृढ़, पारदर्शी और उपभोक्ता केंद्रित हुई है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के मार्गदर्शन में प्रदेश में विद्युत पारेषण नेटवर्क का बड़े स्तर पर विस्तार किया गया है। वर्तमान में प्रदेश में 60,858 सर्किट किलोमीटर पारेषण लाइनें स्थापित हैं। इसके साथ ही 765 नए विद्युत उपकेंद्र स्थापित किए गए हैं, जिनकी कुल क्षमता 2,05,632 एमवीए है। प्रदेश में 765 केवी के सात 400 केवी के 45, 220 केवी के 173 तथा 132 केवी के 490 उपकेंद्रों का विस्तार किया गया है। इससे प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में बिजली की उपलब्धता और आपूर्ति व्यवस्था को मजबूती मिली है। वर्तमान में प्रदेश में बिजली की 99.30 प्रतिशत उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने विद्युत वितरण व्यवस्था को मजबूत करने के लिए भी बड़े पैमाने पर कार्य किए हैं। 60 नए 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र स्थापित किए गए हैं तथा 1,109 विद्युत उपकेंद्रों की क्षमता में वृद्धि की गई है। वर्ष 2024-25 में ही 28 नए 33/11 केवी उपकेंद्रों का निर्माण और 576 उपकेंद्रों की क्षमता वृद्धि का कार्य पूरा किया गया। इसके साथ ही लगभग 2 लाख ट्रांसमिशन टावर तथा 2,100 ट्रांसफॉर्मर से जुड़ी क्षमता वृद्धि के कार्यों ने बिजली आपूर्ति के नेटवर्क को और मजबूत किया गया है। पारेषण हानियों को घटाकर 3.2 प्रतिशत तक लाना भी ऊर्जा क्षेत्र में किए गए सुधारों की महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

प्रदेश में बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने की क्षमता भी लगातार मजबूत हुई है। 31,486 मेगावाट की पीक डिमांड की सफलतापूर्वक पूर्ति प्रदेश के सुदृढ़ ऊर्जा तंत्र और बेहतर प्रबंधन को दर्शाती है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में सरकार ने यह सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया है कि प्रदेश के विकास के साथ बिजली की मांग बढ़ने पर विद्युत अवसंरचना भी उसी गति से विकसित हो। कृषि क्षेत्र को पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने के लिए भी सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजना के अंतर्गत वर्ष 2025 तक 2.42 लाख निजी नलकूपों का ऊर्जीकरण किया गया। वहीं प्रधानमंत्री कुसुम योजना के अंतर्गत 96,128 से अधिक किसानों को सोलर पंप उपलब्ध कराए गए हैं। इससे किसानों को सिंचाई की सुविधा मिलने के साथ स्वच्छ ऊर्जा को भी बढ़ावा मिला है। कृषि क्षेत्र में ऊर्जा की उपलब्धता को मजबूत करने से किसानों की उत्पादकता और आय बढ़ाने की दिशा में भी सकारात्मक आधार तैयार हुआ है।

जरा हटके

उपभोक्ताओं पर ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

पीएम सूर्य घर योजना से जनपद बरेली में बढ़ रही ऊर्जा आत्मनिर्भरता

जनपद बरेली में केंद्र एवं प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी 'पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना' स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार और घरेलू उपभोक्ताओं को आर्थिक राहत प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। परंपरागत विद्युत ग्रिड पर निर्भरता कम करते हुए आवासीय छतों को सौर ऊर्जा से आच्छादित करने की इस योजना ने जनपद में ऊर्जा आत्मनिर्भरता का मार्ग प्रशस्त किया है। योजना के अंतर्गत आमजन को हर माह 300 यूनिट तक निःशुल्क सौर बिजली उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित है, जिससे आवासीय भवन अब विकेंद्रीकृत विद्युत उत्पादन के सशक्त केंद्र बनकर उभर रहे हैं। जिला प्रशासन तथा विद्युत वितरण निगम के समन्वित प्रयासों से जनपद के नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा अपनाने के प्रति नागरिकों में निरंतर रुचि बढ़ रही है। जनपद बरेली के हरुनगला निवासी मोहित यादव इस योजना के व्यावहारिक एवं प्रभावी क्रियान्वयन का प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। उन्होंने योजना की पात्रता और तकनीकी शर्तों के अनुरूप अपने आवास की छत पर ऑन-ग्रिड सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित कराया। सौर संयंत्र की स्थापना के उपरांत उनके दैनिक घरेलू उपभोग का अधिकांश हिस्सा सीधे सौर ऊर्जा से उत्पादित होने लगा। इसके परिणामस्वरूप उनके मासिक बिजली बिल में अभूतपूर्व गिरावट आ गई। पूर्व में पारिवारिक बजट का बड़ा हिस्सा बनने वाला विद्युत बिल अब सिमटकर लगभग सिर्फ न्यूनतम मीटर चार्ज तक रह गया है, जिससे उनके परिवार को सीधी और नियमित आर्थिक बचत का लाभ मिल रहा है।

उपभोक्ताओं पर प्रारंभिक वित्तीय बोझ को न्यूनतम करने के उद्देश्य से सरकार द्वारा एक पारदर्शी एवं सुदृढ़ अनुदान संरचना लागू की गई है। संयंत्र की स्थापना पर केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (यूपीनेडा) द्वारा प्रदान की जाने वाली दोहरी सब्सिडी का पूर्ण लाभ लाभार्थियों को मिल रहा है। संयुक्त अनुदान सीधे डीबीटी (प्रत्यक्ष लाभ अंतरण) के माध्यम से बैंक खाते में अंतरित होने से मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए सौर संयंत्र स्थापित करना अत्यंत सुगम हो गया है। योजना की तकनीकी कार्यप्रणाली बायो-डायरेक्शनल नेट-मीटरिंग व्यवस्था पर संचालित होती है, जो सामान्य विद्युत उपभोक्ता को एक सजग ऊर्जा उत्पादक के रूप में परिवर्तित करती है। दिन के समय जब सौर विकिरण पर्याप्त होता है, तब रूफटॉप सोलर पैनलों द्वारा उत्पादित अतिरिक्त बिजली स्थानीय विद्युत वितरण ग्रिड में स्वतः निर्यात हो जाती है। रात्रि अथवा कम धूप के समय उपभोक्ता ग्रिड से आवश्यकतानुसार बिजली प्राप्त करता है। माह के अंत में वितरण निगम द्वारा कुल आयातित और ग्रिड को निर्यात की गई विद्युत इकाइयों का विधिवत समायोजन (नेटिंग) किया जाता है। उपभोग से अधिक उत्पादित बिजली का क्रेडिट सुरक्षित रहने से मासिक बिल स्वतः न्यूनतम स्तर पर स्थिर हो जाता है। इस योजना की संपूर्ण प्रक्रिया को राष्ट्रीय सौर पोर्टल के माध्यम से डिजिटल, पारदर्शी एवं सरल बनाया गया है। इसमें किसी भी स्तर पर बिचौलियों की कोई भूमिका नहीं है। उपभोक्ता पोर्टल पर सीधे पंजीकरण कर अपने स्वीकृत विद्युत भार के अनुसार संयंत्र क्षमता का चयन कर सकते हैं। तकनीकी व्यवहार्यता की स्वीकृति के उपरांत यूपीनेडा और विद्युत वितरण निगम द्वारा पंजीकृत अधिकृत वेंडरों के माध्यम से संयंत्र की स्थापना कराई जाती है। स्थापना के पश्चात तकनीकी निरीक्षण और नेट मीटरिंग की औपचारिकताएं पूर्ण होते ही निर्धारित सब्सिडी सीधे लाभार्थी के आधार-लिंक बैंक खाते में जमा हो जाती है।

जनपद बरेली में इस योजना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा निरंतर जागरूकता और सुगमता अभियान संचालित किए जा रहे हैं। जनपद के प्रमुख नागरिक केंद्रों, विकास खंडों और नगर निकायों में शिविर आयोजित कर नागरिकों को तकनीकी जानकारी, वेंडर चयन और ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया से अवगत कराया जा रहा है। इसके साथ ही, जिन उपभोक्ताओं को संयंत्र स्थापना हेतु प्रारंभिक पूंजी की आवश्यकता होती है, उन्हें प्राथमिकता क्षेत्र ऋण व्यवस्था के तहत कम ब्याज दर पर बैंकों से आसान और संपार्श्विक-मुक्त (कोलेटरल-फ्री) ऋण उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी जिला स्तर पर सुनिश्चित की गई है। आर्थिक दृष्टि से यह योजना परिवारों के लिए एक ठोस और सुरक्षित दीर्घकालिक पूंजीगत निवेश सिद्ध हो रही है। एक मानक सोलर रूफटॉप प्रणाली की कार्यशील आयु लगभग 25 वर्ष होती है, जबकि संयंत्र पर हुआ वास्तविक पूंजीगत व्यय अगले तीन से चार वर्षों के भीतर बिजली बिलों की बचत के रूप में पूरी तरह वसूल हो जाता है। इसके पश्चात आगामी दो दशकों से भी अधिक समय तक उपभोक्ताओं को नाममात्र के रखरखाव पर लगभग निःशुल्क विद्युत का निरंतर लाभ मिलता रहता है। मोहित यादव जैसे लाभार्थियों का अनुभव दर्शाता है कि यह योजना पारिवारिक बचत को बढ़ाकर घरेलू जीवन स्तर को सुदृढ़ आधार प्रदान करती है।

पारिस्थितिकी और पर्यावरण संरक्षण के दृष्टिकोण से रूफटॉप सोलर प्रणाली कार्बन उत्सर्जन को घटाने की दिशा में अत्यंत प्रभावी साधन है। जीवाश्म ईंधन आधारित पारंपरिक ताप विद्युत उत्पादन के विपरीत सौर ऊर्जा पूर्णतः प्रदूषण-मुक्त और नवीकरणीय है। जनपद बरेली में घरों की छतों पर सौर संयंत्र लगने से न केवल स्थानीय स्तर पर कार्बन फुटप्रिंट में प्रभावी कमी आ रही है, बल्कि यह पहल राष्ट्रीय स्तर पर 'नेट जीरो' उत्सर्जन के संकल्प और सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में भी ठोस योगदान दे रही है।

हरुनगला निवासी मोहित यादव जैसे लाभार्थियों के सकारात्मक अनुभव जनपद के अन्य नागरिकों को भी सौर ऊर्जा अपनाने के लिए निरंतर प्रेरित कर रहे हैं। स्वच्छ पर्यावरण में व्यक्तिगत सहभागिता सुनिश्चित करने और मासिक घरेलू बजट को बिजली के भारी खर्च से मुक्त रखने की यह व्यवस्था जनपदवासियों के बीच तेजी से स्वीकार्य हो रही है। केंद्र सरकार, प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन के समन्वित प्रयासों से संचालित यह योजना जनपद बरेली को हरित और ऊर्जा-आत्मनिर्भर जनपद के रूप में स्थापित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही है।

स्कंदमाता की आराधना के जरिए सीएम ने नारीशक्ति के सशक्तीकरण का दिया संदेश

बेटियों की शिक्षा और मातृ स्वास्थ्य से उज्ज्वल होगा प्रदेश का भविष्य : योगी

सम्मान

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मां भगवती के स्कंदमाता स्वरूप को वात्सल्य, ममता और पोषण की अधिष्ठात्री देवी बताया। उन्होंने कहा कि मां स्कंदमाता की आराधना हमें यह पावन संदेश देती है कि जब नारीशक्ति स्वस्थ, शिक्षित और समर्थ होती है, तभी राष्ट्र का वर्तमान सुरक्षित और भविष्य उज्ज्वल बनता है। बेटियों की शिक्षा, माताओं के स्वास्थ्य और महिलाओं के सशक्ती-करण को समाज और राष्ट्र के विकास का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए मुख्यमंत्री ने प्रदेश में शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में हुए बदलावों का उल्लेख किया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट के माध्यम से वर्ष 2017 से पहले की सरकारों पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि उस समय बेटियों को संबल देने के बजाय पूर्ववर्ती सरकारें अपने राजनीतिक कुनबे को पोषित करने में व्यस्त थीं। उनके अनुसार, प्रदेश में माताओं के स्वास्थ्य और बेटियों की शिक्षा की उपेक्षा हुई तथा भ्रष्टाचार के कारण व्यवस्थाएं प्रभावित रहीं।



मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी, दिनांक 15 अक्टूबर 2026 को विंध्याचल धाम, मिर्जापुर में माँ विंध्यवासिनी के दर्शन-पूजन करते हुये।

मुख्यमंत्री ने अटल आवासीय विद्यालयों का उल्लेख करते हुए कहा कि इनके माध्यम से श्रमिकों और वंचित वर्ग के बच्चों को आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण आवासीय शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने इसे ऐसे परिवारों के बच्चों के लिए बेहतर शैक्षिक अवसरों से जोड़कर देखा, जिन्हें संसाधनों की कमी के कारण कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।



बेटी के जन्म से शिक्षा तक सुरक्षा और कल्याण पर जोर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले साढ़े नौ वर्षों में प्रदेश में माताओं और बेटियों के कल्याण के लिए व्यापक स्तर पर काम किया गया है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन सरकार ने बेटी के जन्म से लेकर उसकी शिक्षा और सुरक्षित मातृत्व तक समग्र सुरक्षा एवं कल्याण का ढांचा तैयार किया है।

मुख्यमंत्री के मुताबिक, पहले सुविधाओं की कमी के कारण प्रदेश की बड़ी संख्या में बेटियों को पढ़ाई बीच में छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ता था, जबकि अब उन्हें शिक्षा से जोड़ने और पढ़ाई पूरी करने के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया जा रहा है।

बरेली कॉलेज में तीन दिवसीय दीक्षारंभझ 2026 कार्यक्रम का शुभारंभ

विद्यार्थियों को दी गई शैक्षणिक एवं शोध संबंधी जानकारी

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। बरेली कॉलेज, बरेली के पर्यावरण विज्ञान विभाग में 15 से 17 अक्टूबर 2026 तक आयोजित तीन दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम दीक्षारंभ–2026 का शुभारंभ उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। कार्यक्रम का आयोजन प्रबंध समिति के सचिव श्री देवमूर्ति जी के संरक्षण, प्राचार्य प्रो. ओ.पी. राय के निर्देशन एवं कार्यवाहक प्राचार्य प्रो. वंदना शर्मा के कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नवप्रवेशित एम.एससी. विद्यार्थियों को विभाग की शैक्षणिक गतिविधियों, उपलब्ध सुविधाओं, पाठ्यक्रम एवं शोध कार्यों से परिचित कराना था।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के स्वागत एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात प्रो. जसपाल सिंह (कार्यक्रम निदेशक) ने



स्वागत संबोधन प्रस्तुत करते हुए विद्यार्थियों को विभाग की शैक्षणिक परंपराओं, अनुशासन तथा अध्ययन के प्रति समर्पण के महत्व से अवगत कराया। इसके बाद प्रो. निष्ठा सेठ (कार्यक्रम अनुशासन समन्वयक) ने विभागीय परिचय प्रस्तुत किया। उन्होंने विभाग की शैक्षणिक गतिविधियों, उपलब्धियों एवं विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध अवसरों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर विद्यार्थियों को कॉलेज की ओर से बैग भी वितरित किए गए।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के अकादमिक ओरिएंटेशन सत्र में प्रो. गौरव भूषण (अकादमिक समन्वयक) ने विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम, परीक्षा प्रणाली एवं मूल्यांकन प्रक्रिया के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने लिखित परीक्षा, प्रैक्टिकल, लैब वर्क, इंस्ट्रूमेंटेशन तथा रिसर्च एवं डिसर्टेशन के महत्व को समझाया। उन्होंने बताया कि नियमित कक्षा उपस्थिति, प्रयोगशाला में सक्रिय सहभागिता और निरंतर अध्ययन विद्यार्थियों की शैक्षणिक सफलता के महत्वपूर्ण आधार हैं।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रो. राजेंद्र सिंह, प्रो. बीना सक्सेना, प्रो. नीलम, प्रो अनामिका अग्रवाल, प्रो. शिखा, प्रो. बी.पी. सिंह एवं प्रो. ए.सी. त्रिपाठी ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के महत्व, विषय की गहन समझ विकसित करने, व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने तथा शोध के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

फास्ट न्यूज

शिक्षक निर्वाचन में मतदान के लिए 23 अक्टूबर को विशेष आकस्मिक अवकाश

अम्बेडकरनगर। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिलाधिकारी श्रीमती ईशा प्रिया ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से होने वाले विधान परिषद निर्वाचन में बोनाफाइड मतदाता के रूप में पंजीकृत शिक्षकों को मतदान के लिए 23 अक्टूबर 2026 को विशेष आकस्मिक अवकाश अनुमन्य किया गया है।

घुरहुपुर में श्रमिकों के बीच पहुंचीं जिलाधिकारी ईशा प्रिया

अम्बेडकरनगर। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने गुरुवार को अकब-रपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत घुरहुपुर में वीबी-जी राम जी योजना के अंतर्गत बन्हवा तालाब की झाड़ियों की सफाई एवं खुदाई कार्य का भौतिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यस्थल पर मौजूद महिला श्रमिकों से सीधा संवाद कर उनके अनुभव जाने और उनके परिश्रम की सराहना कर उत्साह बढ़ाया। निरीक्षण के दौरान कार्यस्थल पर कुल 51 श्रमिक कार्य करते मिले, जिनमें 44 महिलाएं और सात पुरुष शामिल थे।

बिठूर नगर पंचायत उपचुनाव में भाजपा की जीत

कानपुर। कानपुर की बिठूर नगर पंचायत के चेयरमैन पद के उपचुनाव में भाजपा को जीत मिली है। भाजपा प्रत्याशी राणा समरेंद्र सिंह 2483 वोट से चुनाव जीत गए हैं। उन्हें कुल 4210 वोट मिले। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी निर्दलीय आदर्श द्विवेदी उर्फ विभु को हराया। आदर्श 1727 वोट के साथ उपविजेता रहे। कांग्रेस के प्रदीप द्विवेदी को सिर्फ 56 वोट ही मिले।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का मौका

17 और 24 अक्टूबर को लगेंगे विशेष कैंप

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची में छूटे हुए पात्र नागरिकों और पहली बार मतदान करने वाले युवाओं के नाम शामिल कराने के लिए जिले में 17 और 24 अक्टूबर को विशेष अभियान चलाया जाएगा। दोनों तिथियों पर निर्धारित मतदेय स्थलों पर विशेष कैंप आयोजित कर फॉर्म-6 के माध्यम से नए मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में जोड़े जाएंगे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती ज्योत्स्ना बंधु ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण-2026 के बाद यह अभियान संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत 17 अक्टूबर (शनिवार) और 24 अक्टूबर (शनिवार) को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) अपने निर्धारित मतदेय स्थलों पर उपस्थित रहकर पात्र नागरिकों से फॉर्म-6 प्राप्त करेंगे। तदाता सूची में नाम शामिल कराने के इच्छुक नागरिकों को अपनी अद्यतन फोटो, जन्मतिथि और निवास से संबंधित अभिलेखों की स्व-प्रमाणित छायाप्रतियां लेकर संबंधित बूथ पर पहुंचना होगा। परिवार के किसी सदस्य का मतदाता फोटो पहचान-पत्र (ईपीआईसी) नंबर उपलब्ध होने पर उसे भी साथ ले जाने की सलाह दी गई है। इच्छुक नागरिक निर्धारित तिथियों पर बीएलओ से संपर्क कर नाम शामिल कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

श्रवण धाम पहुंचे गाजीपुर के 108 विद्यार्थी

ग्रामीण विरासत और पौराणिक गाथाओं से हुए रूबरू

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को नई पीढ़ी से जोड़ने और गांवों को पर्यटन के मानचित्र पर पहचान दिलाने की पहल रंग लाने लगी है। 'विजिट माय स्टेट उत्तर प्रदेश' अभियान के तहत गाजीपुर के 108 विद्यार्थियों और शिक्षकों ने अम्बेडकरनगर के चिउंटीपारा स्थित श्रवण धाम का भ्रमण किया। यहां विद्यार्थियों ने श्रवण कुमार की पौराणिक गाथा सुनी और मंदिरों व पवित्र घाटों के दर्शन कर क्षेत्र की धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को करीब से जाना। आरके पब्लिक स्कूल, बहरी के विद्यार्थियों और शिक्षकों को गांव के समन्वयक महेंद्र गौर तथा कथावाचक सुनील मिश्रा ने श्रवण कुमार की कथा सुनाई। उन्होंने बताया कि किस तरह श्रवण कुमार



ने अपने नेत्रहीन माता-पिता की सेवा और तीर्थयात्रा को अपने जीवन का ध्येय बनाया। कथा के माध्यम से विद्यार्थियों को मातृ-पितृ भक्ति, सेवा और समर्पण के मूल्यों से परिचित कराया गया। इसके बाद विद्यार्थियों ने श्रवण धाम के मंदिरों और पवित्र घाटों का भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि प्रशासन का प्रयास है कि पर्यटक केवल तीर्थस्थलों तक सीमित न रहें, ग्रामीण पर्यटन के तहत होमस्टे में ठहरने वाले पर्यटक गांव के पारंपरिक आतिथ्य और घर में बने भोजन का आनंद ले सकते हैं। मिट्टी के बर्तन बनाने, अगरबत्ती निर्माण तथा खजला और बालूशाही जैसी क्षेत्रीय मिठाइयों के माध्यम से स्थानीय हुनर और जायके से परिचित होने का अवसर मिलता है।

गांवों की विरासत से जुड़ेंगे युवा, बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि प्रदेश के गांवों में संरक्षित सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत से युवाओं को परिचित कराना जरूरी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार सांस्कृतिक धरोहरों को पर्यटन से जोड़कर स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आजीविका के नए अवसर विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि 'विजिट माय स्टेट' अभियान विद्यार्थियों को अपनी जड़ों से जोड़ने के साथ प्रदेश के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों को करीब से जानने का अवसर प्रदान कर रहा है।

'विजिट माय स्टेट' अभियान से शैक्षिक पर्यटन को बढ़ावा, श्रवण कुमार की कथा सुनकर विद्यार्थियों ने जाना सेवा और समर्पण का संदेश

जयवीर सिंह बोले-ग्रामीण पर्यटन से बदलेगी गांवों की तस्वीर, स्थानीय युवाओं को मिलेंगे रोजगार के अवसर

ग्रामीण पर्यटन का केंद्र बन रहा चिउंटीपारा

अम्बेडकरनगर के चिउंटीपारा गांव को पर्यटन विभाग की 'एग्री रूरल एंड गंगे ग्राम रूरल टूरिज्म' पहल के तहत पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां धार्मिक आस्था, नदी तट का प्राकृतिक सौंदर्य और ग्रामीण जीवन की पारंपरिक मेहमाननवाजी पर्यटकों को आकर्षित करती है। श्रवण क्षेत्र में रामघाट की संध्या आरती, भक्ति गीत, मंदिरों का भ्रमण और तमसा, मांडवा तथा विसुई नदियों के संगम पर नौकायन जैसी गतिविधियां पर्यटन के अनुभव को खास बनाती हैं। वहीं, नजदीकी दरवां झील में नौकायन, फोटोग्राफी और सर्दियों में पक्षियों को देखने की संभावनाएं प्रकृति आधारित पर्यटन को भी नया आयाम दे रही हैं।

छात्राओं को करियर मार्गदर्शन के साथ सुरक्षा और अधिकारों के प्रति किया जागरूक

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना, महिला हेल्पलाइन और साइबर अपराध से बचाव की दी गई जानकारी

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मिशन शक्ति फेज-6.0 अभियान के तहत गुरुवार को थाना बिजनौर पुलिस की मिशन शक्ति टीम एवं एंटी रोमियो टीम की ओर से सीआर-पीएफ गेट नंबर-3 स्थित एक कोचिंग संस्थान में कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, महिला सुरक्षा, अधिकारों और साइबर अपराध से बचाव के प्रति जागरूक किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के अंतर्गत उपलब्ध निःशुल्क प्रतियोगी परीक्षा मार्गदर्शन एवं कोचिंग की जानकारी दी गई। पुलिस टीम ने छात्राओं को बताया कि वे अपने करियर के प्रति जागरूक रहते हुए उपलब्ध शैक्षिक अवसरों का लाभ उठाएं और अपने अधिकारों



के प्रति सजग रहें। इस दौरान महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों, घरेलू हिंसा, दहेज प्रताड़ना, शारीरिक एवं मानसिक उत्पीड़न और बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीतियों के विरोध के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ होने वाले लैंगिक उत्पीड़न के प्रति जागरूक करते हुए ऐसी घटनाओं की शिकायत करने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिस टीम ने महिला सुरक्षा से संबंधित हेल्पलाइन नंबर 1090, 112, 181 और 1076 की उपयोगिता बताई। इसके अलावा महिला सशक्तिकरण, महिला सुरक्षा केंद्र, महिला हेल्प डेस्क और यूपी कॉप एप के माध्यम से मिलने वाली सुविधाओं की जानकारी दी गई। साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताते हुए ऑनलाइन ठगी का शिकार होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराने के बारे में भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम में मिशन शक्ति प्रभारी उपनिरीक्षक आराधना वर्मा, उपनिरीक्षक एवं एंटी रोमियो प्रभारी रामराज सिंह, हेड कांस्टेबल सुनील कुमार, महिला कांस्टेबल अमृता और प्रतिभा सहित एंटी रोमियो टीम मौजूद रही। कोचिंग संस्थान के संचालक इंतजार अली ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की।

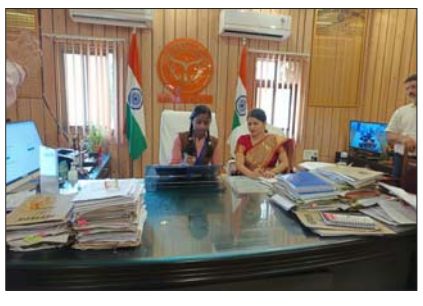
कांस्य पदक विजेता अंशिका बनीं एक दिन की जिलाधिकारी, जनता दर्शन में सुनीं फरियादें

मिशन शक्ति-6.0 की पहल से बालिका को मिला प्रशासनिक नेतृत्व का अनुभव

डीएम ईशा प्रिया ने मेहनत और लगन से आगे बढ़ने का दिया संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। कुश्ती के अखाड़े में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने वाली कक्षा सात की छात्रा अंशिका ने बुधवार को जिलाधिकारी की कुर्सी संभालकर प्रशासनिक कामकाज का अनुभव प्राप्त किया। मिशन शक्ति-6.0 के अंतर्गत कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, जलालपुर की छात्रा अंशिका को एक दिन का जिलाधिकारी बनाया गया। प्रदेश स्तरीय खेल प्रतियोगिता-2026 में अंडर-14 के 46 किलोग्राम भार वर्ग में कांस्य पदक जीतकर जनपद का नाम रोशन करने





वाली अंशिका ने जनता दर्शन में आम लोगों की समस्याएं भी सुनीं। मुख्यमंत्री के निर्देशा-नुसार आयोजित इस पहल का उद्देश्य बालिकाओं में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और प्रशासनिक कार्यप्रणाली की समझ विकसित करना है। जिलाधिकारी श्रीमती ईशा प्रिया ने अंशिका को जिलाधिकारी कार्यालय के कामकाज, प्रशासनिक दायित्वों और जनसमस्याओं के निस्तारण की प्रक्रिया से अवगत कराया। एक दिन की जिलाधिकारी की भूमिका निभाते हुए अंशिका ने जनता दर्शन में पहुंचे फरियादियों की समस्याएं सुनीं और प्रशासनिक व्यवस्था को करीब से समझा। इस अनुभव के जरिए छात्रा को निर्णय लेने, जनहित के मुद्दों को समझने और भविष्य में नेतृत्वकारी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने अंशिका की खेल उपलब्धि की सराहना करते हुए उसे निरंतर मेहनत करने, अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और देश-प्रदेश में जनपद का नाम रोशन करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

मिशन शक्ति-6.0 के तहत की गई यह पहल बालिका शिक्षा, महिला सशक्तीकरण और समान अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। संदेश स्पष्ट है-बेटियां सिर्फ सपने देखने तक सीमित नहीं, बल्कि अपनी प्रतिभा, मेहनत और आत्मविश्वास से नेतृत्व की नई मिसाल भी कायम कर सकती हैं।

सरोजनीनगर में महिला का पर्स छीनकर भागने वाला शातिर गिरफ्तार, दो हजार रुपये बरामद

पुरानी चुंगी के पास महिला को बनाया था निशाना, पुलिस ने आरोपी को दबोचा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। सरोजनीनगर थाना पुलिस ने महिला का पर्स छीनकर भागने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से छीना गया पर्स और दो हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। आरोपी की पहचान आकाश कुमार भारती (19) पुत्र रमेश कुमार निवासी गांधीनगर, स्कूटर इंडिया चौराहा, थाना सरोजनीनगर, लखनऊ के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, 14 अक्टूबर 2026 को कृष्णानगर थाना क्षेत्र के आशुतोष नगर निवासी रीना मिश्रा पुरानी चुंगी के पास सड़क पार कर रही थीं। इसी दौरान एक युवक उनका पर्स छीनकर मौके से फरार हो गया। पीड़िता की तहरीर पर सरोजनीनगर थाने में मुकदमा संख्या 393/2026 के तहत बीएनएस की धारा 304(2) में मुकदमा दर्ज किया गया।



घटना के खुलासे और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की दो टीमें गठित की गईं। पुलिस टीम ने तकनीकी और मैनुअल साक्ष्यों के साथ स्थानीय सूचना तंत्र की मदद से आरोपी आकाश कुमार भारती को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से छीना गया पर्स और दो हजार रुपये बरामद किए गए। मामले में बीएनएस की धारा 317(2) भी शामिल की गई है।

पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने कथित तौर पर बताया कि वह सड़क पर अकेले जा रही महिलाओं पर नजर रखता था और मौका मिलने पर उनका पर्स छीनकर भाग जाता था। पर्स से मिलने वाले पैसों का इस्तेमाल वह अपने शौक और खर्चों को पूरा करने में करता था।

पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया। इस कार्रवाई में सरोजनीनगर थाना पुलिस की टीम शामिल रही।

हज के महरम कोटे में यूपी की 63 महिलाएं चयनित

30 अक्टूबर तक जमा करनी होगी अग्रिम राशि

1.52 लाख रुपये चयनित यात्रियों को जमा करने होंगे

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। हज यात्रा के लिए महरम कोटे के तहत उत्तर प्रदेश की 63 महिलाओं का चयन किया गया है। हज कमेटी ऑफ इंडिया, मुंबई ने 14 अक्टूबर 2026 को डिजिटल रैंडम सिलेक्शन (कुर्रा) के माध्यम से महिलाओं का चयन किया। इस कोटे के तहत देशभर में कुल 500 सीटों पर चयन किया गया है। वहीं, उत्तर प्रदेश की 62 सीटों को प्रतीक्षा सूची में रखा गया है। चयनित महिलाओं को हज यात्रा की प्रक्रिया पूरी करने के लिए निर्धारित समयसीमा के भीतर अग्रिम धनराशि जमा करने और जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। हज कमेटी ऑफ इंडिया की ओर से जारी सर्कुलर के मुताबिक, महरम कोटे के तहत महिलाओं से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। इसके लिए 23 सितंबर से 7 अक्टूबर 2026 तक आवेदन करने का मौका दिया गया था। निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरे भारत से कुल 1,044 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से जांच के बाद 1,008 आवेदन पात्र पाए गए। इसके बाद 14 अक्टूबर को डिजिटल रैंडम सिलेक्शन के माध्यम से 500 सीटों के लिए चयन प्रक्रिया पूरी की गई। हज कमेटी के निर्देशों के अनुसार, चयनित प्रत्येक महिला हज यात्री को अग्रिम धनराशि के रूप में 1,52,300 रुपये जमा करने होंगे। यह राशि जमा करने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है।

शारदीय नवरात्रि पर एक्शन मोड में प्रशासन, टांडा पंडाल डी.एम.-एस. पी.का पैदल मार्च

सीसीटीवी से लेकर अग्निशमन और विद्युत सुरक्षा तक की जांच

कृष्ण कुमार दूबे

अम्बेडकरनगर। शारदीय नवरात्रि पर शांति, सुरक्षा और बेहतर व्यवस्थाओं को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट नजर आया। बुधवार को जिलाधिकारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने टांडा नगर क्षेत्र में पैदल मार्च कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान अधिकारियों ने विभिन्न दुर्गा प्रतिमा पंडालों का स्थलीय निरीक्षण कर श्रद्धालुओं की सुरक्षा से जुड़ी व्यवस्थाओं को परखा और दुर्गा पूजा समितियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ज्योत्स्ना बंधु तथा पुलिस बल के साथ नगर के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण किया। पैदल मार्च के जरिए आमजन को सुरक्षा का भरोसा दिलाने के साथ ही पर्व के दौरान



शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने का संदेश दिया गया। निरीक्षण के दौरान पंडालों में लगे सीसीटीवी कैमरों, सुरक्षा प्रबंधों, साफ-सफाई, अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता और विद्युत सुरक्षा व्यवस्था की जांच की गई। अधिकारियों ने दुर्गा पूजा समितियों के प्रतिनिधियों से बातचीत कर तैयारियों की जानकारी ली और आयोजन के दौरान विशेष सतर्कता बरतने पर जोर दिया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं पूजा समिति के पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी सुरक्षा मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए। पंडालों और उनके आसपास नियमित साफ-सफाई रखी जाए तथा कूड़े का समय से उठान कराया जाए। उन्होंने आवश्यक बचाव एवं सुरक्षा इंतजाम समय रहते पूरे करने पर भी जोर दिया। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुव्यवस्थित आयोजन और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

शिवाजी म्यूजियम का निरीक्षण करेंगे योगी

एमएलसी प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभा, छोटेलाल वर्मा को श्रद्धांजलि देंगे

तैयारी

- टाटा ग्राउंड पर सीएम योगी की सभा की तैयारियों को देखते हुए भाजपा पदाधिकारी।
- दिवंगत विधायक छोटेलाल वर्मा के आवास पर तैयारियां देखते डीएम मनीष बंसल।

तमसा संकेत, एजेंसी





आगरा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को आगरा आएंगे। करीब 3 घंटे के दौरे में वे ताज ईस्ट गेट पर निर्माणाधीन छत्रपति शिवाजी महाराज म्यूजियम का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद फतेहाबाद रोड स्थित टाटा ग्राउंड में जनसभा को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री स्नातक MLC प्रत्याशी डॉ. मानवेंद्र प्रताप सिंह और शिक्षक MLC प्रत्याशी हरि किशोर तिवारी के समर्थन में सभा करेंगे। भाजपा पदाधिकारियों के मुताबिक, जनसभा में आगरा के साथ आसपास के जिलों से भी लोग पहुंचेंगे। इसमें करीब 15 हजार लोगों के आने का दावा किया जा रहा है। जनसभा के बाद CM योगी दया नगर में दिवंगत विधायक छोटेलाल वर्मा के घर जाएंगे। वे उनके परिजनों से मिलकर शोक संवेदना व्यक्त करेंगे। इसके बाद खेरिया एयरपोर्ट से गाजियाबाद के लिए रवाना होंगे। जनसभा के बाद मुख्यमंत्री दया नगर, राजपुर चुंगी जाएंगे। यहां वे दिवंगत विधायक छोटेलाल वर्मा के परिजनों से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त करेंगे। इसके बाद उनका काफिला खेरिया एयरपोर्ट पहुंचेगा, जहां से वे गाजियाबाद के लिए रवाना होंगे।

80% काम पूरा, 15 दिसंबर को उद्घाटन प्रस्तावित

मुख्यमंत्री का काफिला खेरिया एयरपोर्ट से सबसे पहले ताज ईस्ट गेट स्थित निर्माणाधीन छत्रपति शिवाजी महाराज म्यूजियम पहुंचेगा। म्यूजियम का करीब 80% काम पूरा हो चुका है। इसका उद्घाटन 15 दिसंबर को प्रस्तावित है। इसी को देखते हुए मुख्यमंत्री निर्माण कार्य और व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। CM के दौरे को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। डीएम मनीष बंसल ने गुरुवार को म्यूजियम पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए। उन्होंने बुधवार को भी यहां तैयारियों का जायजा लिया था।

एमएलसी प्रत्याशियों के समर्थन में करेंगे जनसभा

म्यूजियम के निरीक्षण के बाद मुख्यमंत्री फतेहाबाद रोड स्थित टाटा ग्राउंड पहुंचेंगे। यहां वे स्नातक MLC प्रत्याशी डॉ. मानवेंद्र प्रताप सिंह और शिक्षक MLC प्रत्याशी हरि किशोर तिवारी के समर्थन में जनसभा करेंगे। भाजपा पदाधिकारी सभा में करीब 15 हजार लोगों के पहुंचने का दावा कर रहे हैं। इसके लिए पार्टी और प्रशासन की ओर से तैयारियां की जा रही हैं।



सीएम योगी के प्रस्तावित दौरे को देखते हुए दया नगर में व्यवस्थाओं को देखते डीएम मनीष बंसल।



डीएम मनीष बंसल और नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

बलभद्र इंटर कॉलेज में छात्र-छात्राओं को किया जागरूक

मिशन शक्ति 6.0 के तहत साइबर अपराध

तमसा संकेत, संवाददाता



बलदेव (मथुरा)। महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान 6.0 के तहत थाना बलदेव की मिशन शक्ति टीम, महिला सशक्तिकरण टीम, ऑपरेशन जागृति, एंटी रोमियो टीम एवं महिला बीट टीम ने बलभद्र इंटर कॉलेज में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को साइबर अपराध से बचाव, सुरक्षित एवं असुरक्षित स्पर्श, महिला सुरक्षा, बाल संरक्षण तथा नाबालिग बालक-बालिकाओं के प्रेम संबंधों के चलते घर से पलायन जैसी समस्याओं के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही साइबर अपराध होने पर शिकायत दर्ज कराने और सावधानी बरतने के तरीके बताए गए। लिस टीम ने महिला एवं बाल सुरक्षा से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए बताया कि किसी भी परेशानी की स्थिति में संबंधित हेल्पलाइन का उपयोग किया जा सकता है। छात्र-छात्राओं को साइबर वित्तीय धोखाधड़ी के लिए 1930, महिला हेल्पलाइन 1090, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और आपातकालीन पुलिस सेवा 112 के बारे में बताया गया। इसके साथ ही गर्भवती महिलाओं एवं नवजात शिशुओं के लिए एंबुलेंस सेवा 102 तथा अन्य आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी भी दी गई।

फास्ट न्यूज

खराब सड़कों से परेशान लोगों ने पार्षद का घर घेरा

आगरा। आगरा के सदर थाना क्षेत्र की मीरा विहार कॉलोनी में खराब सड़कों से परेशान लोगों का सब्र बुधवार को जवाब दे गया। सड़क निर्माण नहीं होने से नाराज स्थानीय लोग क्षेत्रीय पार्षद फूल प्यारी के घर पहुंच गए और घेराव कर अपनी नाराजगी जताई। लोगों का आरोप है कि कॉलोनी की कई सड़कें बदहाल हैं। गड्ढों और उबड़-खाबड़ रास्तों के कारण सैकड़ों लोगों को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

चीनी की किल्लत से पेठा उद्योग की मिठास फीकी

आगरा। चीनी की बढ़ती कीमतों और आपूर्ति में कमी ने आगरा के प्रसिद्ध पेठा उद्योग की मिठास फीकी कर दी है। मिलों से व्यापारियों को पर्याप्त चीनी नहीं मिल रही है। इससे पेठा बनाने का काम प्रभावित हो रहा है और कारोबारियों का स्टॉक भी खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है। व्यापारियों का कहना है कि जल्द आपूर्ति सामान्य नहीं हुई तो त्योहारों के सीजन में मिठाई का कारोबार बुरी तरह प्रभावित हो सकता है। पेठा कारोबारियों के मुताबिक, चीनी की कीमतें बढ़ने और उपलब्धता कम होने से आगरा में पेठा व्यापार करीब 50 प्रतिशत तक प्रभावित हो चुका है।

अलीगढ़ में युवा मोर्चा की नियुक्तियां अटकीं

अलीगढ़। भाजपा में अलग-अलग मोर्चों की कमेटियों का गठन किया जा रहा है। जिलाध्यक्षों से लेकर क्षेत्रीय स्तर तक नियुक्तियां हो रही हैं, लेकिन युवा मोर्चा की कमेटियों का इंतजार लंबा होता जा रहा है। प्रदेशभर में नियुक्तियां नहीं होने से दावेदार परेशान हैं। कई नेता अपने राजनीतिक संपर्कों और सिफारिशों के जरिए पद पाने की कोशिश में जुटे हैं। इस बीच युवा मोर्चा के पदों के लिए उम्र सीमा को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई है।

नौहझील पुलिस ने 10.150 किलो गांजे के साथ युवक को दबोचा

बिना नंबर प्लेट की एचएफ डीलक्स बाइक भी बरामद

तमसा संकेत, संवाददाता



मथुरा। नौहझील थाना पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक युवक को 10 किलो 150 ग्राम अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से बिना रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट की एक एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 14 अक्टूबर की रात करीब 8:30 बजे नौहझील-शेरगढ़ मार्ग पर दौलतपुर मोड़ स्थित प्राथमिक विद्यालय के पास चेकिंग के दौरान आरोपी को गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान लोकेन्द्र (24) पुत्र नंदराम, निवासी बरहाना, थाना कोसीकलां, मथुरा के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना नौहझील में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की है। कार्रवाई करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक अंजीश कुमार सिंह, उपनिरीक्षक हरेन्द्र सिंह, अशेष कुमार, देवेन्द्र कुमार, कांस्टेबल विपिन कुमार, दीपक कुमार और रिजर्व कांस्टेबल देवेन्द्र कुमार शामिल रहे।

मुरादाबाद में शहर सीट पर भाजपा के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं चन्ना

पूर्व विधायक राजीव चन्ना और मनमोहन सैनी ने सपा जॉइन की

तमसा संकेत, एजेंसी

राजीव चन्ना को दिवंगत शराब कारोबारी पोंटी चड्ढा का बेहद करीबी माना जाता है। पोंटी के कहने पर ही राजीव चन्ना ने 2009 में विधायकी से इस्तीफा देकर भाजपा छोड़ दी थी। इसके बाद बसपा जॉइन करके सांसद का चुनाव लड़े थे। लेकिन तब कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े मोहम्मद अजहरुद्दीन से उन्हें हार का सामना करना पड़ा था।





मुरादाबाद। मुरादाबाद पश्चिम सीट से 2007 में भाजपा के टिकट पर चुनाव जीतकर विधायक बनने वाले राजीव चन्ना मुरादाबाद की सियासत में री-एंट्री हुई है। मुरादाबाद जिले में भाजपा के दो नेताओं राजीव चन्ना और मनमोहन सैनी ने सपा जॉइन कर ली है। दोनो नेताओं को लखनऊ स्थित सपा कार्यालय पर सपा मुखिया अखिलेश यादव ने पार्टी जॉइन कराई। इन दोनों नेताओं का सपा में जाना मुरादाबाद शहर सीट पर भाजपा की मुश्किलें बढ़ा सकता है। 2009 में लोकसभा चुनाव में मिली हार के बाद से राजनीति से दूरी बना चुके चन्ना की सियासत में वापसी मुरादाबाद में सियासी समीकरणों में बड़ी उलटफेर कर सकती है। 4 माह पहले ही उजागर कर दिया था कि राजीव चन्ना बहुत जल्द समाजवादी पार्टी जॉइन कर सकते हैं। हालांकि उस वक्त राजीव चन्ना ने संवाददाता से कहा था कि वे फिलहाल BJP में ही हैं। इस हार के बाद राजीव चन्ना ने 2010 में फिर से भाजपा जॉइन कर ली थी। लेकिन इस अंतराल में पार्टी के भीतर चन्ना की जगह नए नेता भर चुके थे। चन्ना को फिर से भाजपा में वो तरजीह कभी नहीं हासिल हुई जो 2007 और उसके पहले उन्हें हासिल थी। हाशिए पर धकेले गए चन्ना ने खुद ही सियासत से किनारा कर लिया। 2010 के बाद से वे सक्रिय राजनीति में नहीं हैं। पिछले 7 सालों से भी अधिक वक्त से उन्होंने उत्तराखंड के भवाली में डेरा डाला हुआ है। लेकिन 2027 के चुनाव से ठीक पहले राजीव चन्ना ने फिर से ताल ठोंकी है।

2009 का लोकसभा चुनाव हारने के बाद से सियासत से दूर थे चन्ना

उस वक्त हुए लोकसभा चुनावों में कांग्रेस के मोहम्मद अजहरुद्दीन को 3,01283, भाजपा प्रत्याशी रहे दिवंगत कुंवर सर्वेश सिंह को 2,52,176 और बसपा से लड़े राजीव चन्ना को 1,47,594 वोट मिले थे। दरअसल उस वक्त बसपा सुप्रीमो के काफी करीब रहे पोंटी चड्ढा को ये ओवरकान्फिडेंस था कि वे पोंटी को जिता ले जाएंगे। इसीलिए उन्होंने विधायक बनने के 2 साल के भीतर ही राजीव चन्ना से BJP से इस्तीफा दिला दिया था और बसपा जॉइन कराने के बाद लोकसभा का टिकट भी ले आए थे।

जिकरियापुर में छात्रा हंसिका बनी एक दिन की प्रधानाध्यापिका

सर की कुर्सी पर बैठकर महसूस हुआ गर्व, विद्यालय की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

तमसा संकेत, संवाददाता



बलदेव (मथुरा)। मिशन शक्ति अभियान के तहत बालिकाओं में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से विकास खंड बलदेव के प्राथमिक विद्यालय जिकरियापुर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कक्षा पांच की छात्रा हंसिका को एक दिन के लिए विद्यालय की प्रधानाध्यापिका बनाया गया। प्रधानाध्यापिका की जिम्मेदारी संभालते हुए हंसिका ने विद्यालय की शिक्षण व्यवस्था, छात्र-छात्राओं की उपस्थिति, अनुशासन और साफ-सफाई का जायजा लिया। विद्यालय की व्यवस्थाओं को समझने और जिम्मेदारी निभाने का अवसर पाकर वह काफी उत्साहित नजर आई। शिक्षकों और विद्यार्थियों ने उसका उत्साहवर्धन किया। नोडल एआरपी गीता रावत और एआरपी खुशबू श्रीवास्तव ने कहा कि बेटियों को समान अवसर, सुरक्षा और उचित मार्गदर्शन मिले तो वे हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकती हैं। शिक्षा के माध्यम से बालिकाओं को सशक्त बनाना ही इस पहल का उद्देश्य है। छात्रा हंसिका ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि प्रधानाध्यापिका बनने पर खुशी के साथ जिम्मेदारी का दबाव भी महसूस हुआ। सहपाठियों के बीच सर की कुर्सी पर बैठना उसके लिए गौरव का पल था। सभी कक्षाओं में जाकर बच्चों से बातचीत करने में शुरुआत में थोड़ी झिझक हुई, लेकिन प्रधानाध्यापक भानु प्रताप सिंह ने उसका हौसला बढ़ाया। कार्यक्रम में प्रधानाध्यापक भानु प्रताप सिंह, शिक्षिका दीपिका दीक्षित, मनोरमा चौधरी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

आगरा में 5 मकानों पर चला बुलडोजर

खत्ताघर की जमीन पर अवैध तरीके से बनाए थे, 15 दिन पहले दिया था नोटिस

तमसा संकेत, एजेंसी



आगरा। आगरा के यमुनापार स्थित नुनिहाई इलाके में बुधवार को नगर निगम ने अतिक्रमण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। रतनपुरा वार्ड में खत्ताघर की सरकारी जमीन पर बने पांच मकानों को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया। नगर निगम की टीम पुलिस बल और टास्क फोर्स के साथ मौके पर पहुंची थी। कार्रवाई के दौरान कुछ महिलाओं ने विरोध जताया, लेकिन सुरक्षा बलों की मौजूदगी में अतिक्रमण हटाने का अभियान जारी रहा। टीम के पहुंचने से पहले ही मकानों में रखा सामान बाहर निकाल लिया गया था। नगर निगम के मुताबिक, खत्ताघर की जमीन पर अवैध कब्जे की शिकायत मिलने के बाद यह कार्रवाई की गई। स्थानीय पार्षद ने इस संबंध में शिकायत की थी, जिसके बाद निगम की टीम ने जमीन से कब्जा हटाने की तैयारी शुरू की। संबंधित मकानों पर करीब 15 दिन पहले लाल निशान लगाए गए थे और कब्जा हटाने की चेतावनी दी गई थी। इसके बावजूद निर्माण नहीं हटाए गए। इसके बाद बुधवार को नगर निगम ने पुलिस और टास्क फोर्स की मदद से ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। अतिक्रमण हटाने के लिए नगर निगम की टीम के पहुंचते ही इलाके में हलचल मच गई। मकानों को गिराने की कार्रवाई शुरू होने पर कुछ महिलाओं ने विरोध जताया। हालांकि, मौके पर पुलिस बल और टास्क फोर्स तैनात होने के कारण अभियान जारी रहा। अधिकारियों की मौजूदगी में बुलडोजर से मकानों को ध्वस्त किया गया। कार्रवाई के दौरान किसी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल मौजूद रहा। टीम के पहुंचने से पहले ही मकानों से घरेलू सामान बाहर निकाल लिया गया था। इसके बाद ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। नगर निगम की इस कार्रवाई के बाद खत्ताघर की जमीन पर बने पांच मकानों को हटा दिया गया।

पार्षद की शिकायत के बाद हरकत में आया नगर निगम

नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार, रतनपुरा वार्ड में खत्ताघर के लिए निर्धारित जमीन पर कुछ लोगों ने मकान बना लिए थे। स्थानीय पार्षद की ओर से शिकायत मिलने के बाद मामले की जांच और अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। सहायक अभियंता जीवेक ने बताया कि जमीन पर राशिद, बॉबी, शकील और ललित समेत अन्य लोगों का कब्जा था। निगम की ओर से पहले ही संबंधित लोगों को निर्माण हटाने के लिए चेतावनी दी गई थी। अधिकारियों ने बताया कि कार्रवाई से पहले मकानों पर लाल निशान लगाए गए थे, ताकि संबंधित लोगों को अतिक्रमण हटाने के लिए समय मिल सके। करीब 15 दिन का समय दिए जाने के बाद भी जब निर्माण नहीं हटाए गए तो नगर निगम ने ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करने का निर्णय लिया। बुधवार को टीम मौके पर पहुंची और एक-एक कर पांच मकानों को बुलडोजर से गिरा दिया।

पृष्ठ 01 का शेष...

अतीक के कसारी...

हमारे मुख्यमंत्री हमारे भगवान हैं। हम 20 साल से किराए पर रहते हैं। हमारे पास घर नहीं है। अगर वो यहां बनवा देंगे, तो हम लोग उनको दिल से बहुत आशीर्वाद देंगे। यहां जितने माफिया रहते थे, उनकी सफाई हो चुकी है। अभी जो अंदर (जेल में) हैं या जो भागे हैं, वो भी पकड़े जाएंगे। कृष्णपुरी बहुत सुंदर, बहुत सुंदर। आज बहुत खुशी हुई। सीएम योगी ने कहा- भाजपा सरकार बनी तो हमने तय किया उत्तर प्रदेश को सुरक्षित बनाना है। सुशासन लाना है। विधि का शासन हो, हर आदमी न्याय मांगने को प्रयागराज आता है। कानून का राज स्थापित करने में अभियान चलाया। हमने माफिया मुक्त यूपी किया। इसी प्रयागराज की धरती पर विधायक राजू पाल की हत्या होती है। सरेआम गोली मार दी जाती है। माफिया को किए की सजा मिलनी चाहिए। यही परिणाम सामने है। माफिया से मुक्त भूमि पर आवास बांट रहे हैं। सीएम योगी ने कहा- माफिया मुक्ति के अभियान के तहत आज कसारी मसारी में गरीबों के आवास बनेंगे। याद करें कि प्रयागराज पावन तीर्थ कभी माफिया अतीक और माफिया अशरफ जिस जमीन पर पैर रखते थे तो उनकी हो जाती थी। प्रदेश सरकार उनके सामने घुटने टेक देती थी। याद करो बेटी की सुरक्षा पर कैसे खतरा होता था। माफिया असलहा लहरा कर प्रयाग की सड़कों पर गलियों में भय का पर्याय बने थे। सीएम योगी ने कहा- प्रयागराज की धरती सामाजिक समता की भूमि है। भगवान अक्षयवट की पावन धरा है। महर्षि भरतद्वाज की साधना की धरा है। देश के पीएम मोदी के मार्गदर्शन में प्रेरणा से देश की धरोहरों को उचित सम्मान देते हुए संगम नगरी को आगे बढ़ाने और कुंभ को दिव्य बनाने का सौभाग्य मिला। सियावर रामचंद्र भगवान की जय से सीएम ने भाषण की शुरुआत की। प्रयागराज भगवान की जय जयकार कराई। हर हर महादेव के नारे लगाए। आवास योजना भूमिपूजन और चाबी वितरण कार्यक्रम में प्रयागराज में उपस्थित प्रयागराज के प्रभारी मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मंत्री नंदी, विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह, सांसद प्रवीण पटेल, मेयर गणेश केसरवानी, विधायक हर्ष वर्धन बाजपेई, पीयूष रंजन, दीपक पटेल, गुरुप्रसाद मौर्या, सुरेंद्र चौधरी, पूजा पाल का नाम लिया। मंत्री नंदी ने भारत माता की जय के नारे लगए। सीएम का स्वागत किया। कहा- योगी आदर्श कानून व्यवस्था के संस्थापक है। प्रदेश की तकदीर और तस्वीर बदल गई। उत्तर प्रदेश ने साबित किया कि नीयत ईमानदार हो तो प्रत्येक व्यक्ति को न्याय मिलता है। नंदी ने गीत गया चलेला जब चांप के बाबा का बुल्डोजर। विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह ने कसारी मसारी का नाम बदलने की सीएम से मांग की। कहा- कसारी मसारी नाम ही कसाइयों का लगता है। इसका नाम बदल दें। विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह ने जय श्रीराम के नारों से सीएम का स्वागत किया। सिद्धार्थ नाथ ने सीएम को बताया कि अभी जिस रास्ते से आप गुजरे वहां जो घर छूटा था वो माफिया का था। उससे आगे उसके भाई, रिश्तेदारों का घर टूटा है। जिस जमीन पर हम आज हैं तो वहां माफिया घोड़े पाले था। पहले एक मुख्यमंत्री आता था, कुत्ते से हाथ मिलाकर जाता था। वहीं एक मुख्यमंत्री आ रहा है, माफिया के गढ़ में गरीबों के आशियाना बसाया जा रहा है। सीएम योगी ने भूमि पूजन के बाद आरती की। फिर मंत्री नंदी को आरती थमाई। इसके बाद अपने हाथों से स्वतंत्र देव सिंह को आरती की थाली दी। सीएम योगी भूमि पूजन कर रहे हैं। इलाके में चारों तरफ छत पर दूरबीन से निगरानी की जा रही है। इससे पहले अतीक अहमद के गढ़ में योगी आदित्यनाथ के ऊपर पुष्प वर्षा की गई। माफिया से मुक्त कराई गई जमीन पर सीएम योगी ने भूमि पूजन शुरू किया। स्वतंत्र देव सिंह, मंत्री नंदी, मेयर गणेश केसरवानी, विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह, हर्ष वर्धन बाजपेई भी मौजूद हैं। इलाके में चारों तरफ छत पर दूरबीन से निगरानी की जा रही है सीएम योगी बोले- सपा के लिए परिवार ही प्रदेश था। हमारे लिए परिवार ही प्रदेश है। उसके सुख दुख में सहभागी बनना। नौजवानों को आत्मनिर्भर बनाना। हर जिला विकास की मुख्यधारा से जुड़े इसके लिए सरकार काम कर रही है।

सुप्रीम कोर्ट तक...

12 अक्टूबर के सुप्रीम कोर्ट मार्च के बाद कोर्ट परिसर में राजनीतिक प्रदर्शन रोकने के नियम बनाने, CCTV फुटेज सुरक्षित रखने और राहुल गांधी समेत नेताओं की मंशा की जांच से जुड़ी याचिका 4 वकील ने दाखिल की है। इस पर जस्टिस बागची ने सभी कानूनी एजेंसियों को CCTV और अन्य डिजिटल फुटेज सुरक्षित रखने का निर्देश दिया। यह भी कहा है कि इन्हें कोई भी आकर जमा करा सकता है। प्रदर्शन बुलाने वालों की जिम्मेदारी तय करने की मांग वाली याचिका पर CJI सूर्यकांत ने नोटिस जारी किया। इसमें मांग की गई है कि प्रदर्शन बुलाने वाला व्यक्ति दूसरों पर पड़ने वाले परिणामों की जिम्मेदारी भी ले।

पुलिस के पैरों में...

दरअसल, 2 सितंबर को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने डॉक्टरों से समान वेतन लागू कराने का भरोसा दिया था। प्रदर्शन में शामिल बड़ी संख्या में बॉन्डेड डॉक्टरों के हाथों में तख्तियां थीं, जिन पर 'One Bond One Salary' और 'बॉन्डेड मेडिकल अधिकारियों को न्याय दो' लिखा था। पुलिस और डॉक्टरों के बीच काफी देर तक बहस होती रही। पुलिस ने डॉक्टरों पर बिना अनुमति प्रदर्शन करने और सड़क जाम करने का आरोप लगाया। डॉक्टरों ने कहा कि वे अपने अधिकारों के लिए लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन कर रहे हैं। डिप्टी सीएम ने समान वेतन देने का वादा किया था, लेकिन अब तक इसे पूरा नहीं किया गया। डॉक्टरों ने कहा कि वे पिछले 42 दिनों से अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे।

सीजेपी की प्रेस...

इस बीच, दिल्ली हाईकोर्ट ने 16 अक्टूबर को कनॉट प्लेस में CJP के प्रदर्शन पर रोक लगाने का आदेश देने से इनकार कर दिया। CJP ने SIR के विरोध और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कनॉट प्लेस के सेंट्रल पार्क में तिरंगा फहराकर प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (CTI) के चेयरमैन बृजेश गोयल ने गृह मंत्री अमित शाह को लेटर लिखकर कनॉट प्लेस में कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के 'लहरा दो तिरंगा मार्च' को अनुमति नहीं देने की मांग की थी। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित प्रदर्शन को लेकर दिल्ली के करीब 20 लाख व्यापारियों में चिंता है। वहीं, दिल्ली हाईकोर्ट में कनॉट प्लेस के एक दुकानदार ने अपनी याचिका कहा- कनॉट प्लेस दिल्ली का प्रमुख व्यावसायिक केंद्र है और प्रदर्शन के कारण वीकेंड में भी कारोबार को नुकसान हो सकता है। CTI ने 10 अक्टूबर के प्रदर्शन से कारोबार को 2,000 करोड़ का नुकसान होने का दावा किया था। दिल्ली पुलिस ने हाईकोर्ट को बताया कि 16 अक्टूबर को कनॉट प्लेस में CJP के प्रस्तावित प्रदर्शन को काबू करने के लिए सभी जरूरी कानूनी कदम उठाए जाएंगे।

एमपी और यूपी सहित...

इससे वे अपनी उम्र के आधार पर पात्र होने पर वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने की प्रक्रिया शुरू कर सकेंगे। चुनाव आयोग ने SSR के लिए तारीखें तय की हैं। इसके तहत 2 नवंबर 2026 तक मतदान केंद्रों की व्यवस्था में जरूरी बदलाव किए जाएंगे। इसके बाद 12 नवंबर को वोटर लिस्ट की ड्राफ्ट कॉपी जारी होगी। ड्राफ्ट लिस्ट में नाम या जानकारी को लेकर 12 नवंबर से 11 दिसंबर तक दावे और आपत्तियां दर्ज कराई जा सकेंगी। इनका निपटारा 28 दिसंबर तक किया जाएगा। इसके बाद 4 जनवरी 2027 को वोटर लिस्ट की अंतिम सूची जारी होगी। उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, मणिपुर और गोवा में 2027 में विधानसभा चुनाव होने हैं। इन पांचों राज्यों में SSR कराया जाएगा। उत्तर प्रदेश की 403 सीटों वाली विधानसभा का कार्यकाल 22 मई 2027 को खत्म होगा। मणिपुर की 60, गोवा की 40, पंजाब की 117 और उत्तराखंड की 70 सीटों वाली विधानसभाओं का कार्यकाल मार्च 2027 में अलग-अलग तारीखों पर खत्म होगा।

फुलटॉस डालकर पिच को दोष न दें, कैरेबियाई पेसर की खेल भावना पर सवाल उठाए

भारत की हार पर भड़के सुनील गावस्कर

मांग

नई दिल्ली, एजेंसी

दिग्गज क्रिकेटर सुनील गावस्कर चौथे टी-20 में टीम इंडिया की हार पर भड़क गए। उन्होंने कहा- 'भारत की हार की वजह खराब गेंदबाजी थी, पिच नहीं।'

गावस्कर ने कहा कि भारतीय गेंदबाजों ने कई फुलटॉस और खराब लेंथ की गेंदें डालीं। उन्होंने कहा कि गेंदबाज अपने प्लान को एक्सिक्यूट नहीं कर पाएं, तो पिच को दोष नहीं दे सकते। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी माना कि गेंदबाजी में प्लान को सही तरह लागू नहीं करना भारी पड़ा। बुधवार को भारतीय टीम को हैदराबाद में वेस्टइंडीज के खिलाफ 24 रन से हार मिली।



> राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम की दोबारा बिछाई गई पिच से गेंदबाजों को कुछ मदद मिली। खिलाड़ियों ने बताया कि गेंद कभी-कभी पिच पर रुककर आई और उछाल भी दिखा। हालांकि, गावस्कर का कहना था कि गेंदबाजों को इन परिस्थितियों का बेहतर इस्तेमाल करना चाहिए था।

इससे पहले भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर भी बल्लेबाज और गेंद के बीच बेहतर मुकाबला कराने वाली पिचों की मांग कर चुके हैं। गावस्कर ने वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमार जोसेफ की खेल भावना पर भी सवाल उठाए। मैच के दौरान शमार ने अर्शदीप सिंह को बाउंसर मारी, जोकि उनके कंधे पर लगी। इसके बाद अर्शदीप विकेट छोड़कर बल्लेबाजी करने लगे। इसके बावजूद शमार ने अर्शदीप की बॉडीलाइन पर गेंदबाजी जारी रखी। उन्होंने एक और बाउंसर मारी। इस पर गावस्कर ने कमेंट्री में कहा- वह स्टंप्स पर गेंदबाजी करने के बजाय 'अर्शदीप को निशाना बना रहे हैं', जबकि स्टंप्स पूरी तरह असुरक्षित थे। दूसरी बार चोटिल होने से बाल-बाल बचने के बाद अर्शदीप खेल जारी रखने में असमर्थ रहे। वह 5 रन पर रिटायर हर्ट हो गए।

गावस्कर ने कहा- बॉलर्स की कमियों के कारण बड़ा स्कोर बना

गावस्कर ने जियोहॉटस्टार पर कहा कि भारत की गेंदबाजी की कमियों के कारण वेस्टइंडीज ने बड़ा स्कोर बनाया। हम अक्सर पिचों की बात करते हैं और उन्हें दोष देते हैं। कहते हैं कि पिच गेंदबाजों की मदद नहीं करती। लेकिन अगर आप फुलटॉस डालते हैं, तो पिच को दोष नहीं दिया जा सकता।' गावस्कर ने कहा कि गेंदबाजों को पिच का फायदा उठाने के लिए सही जगह गेंद डालनी होगी। फुलटॉस और पिच के बीच में पड़ने वाली गेंदों से बल्लेबाजों को रन बनाने का मौका नहीं देना चाहिए। गावस्कर ने कहा कि वेस्टइंडीज के गेंदबाजों ने बाद में सही लेंथ और यॉर्कर डाली।



टीम इंडिया की हार के बाद अर्शदीप सिंह को सांत्वना देते रोवमन पॉवेल।

नटराजन सनराइजर्स हैदराबाद में लौटे स्पिनर जीशान अंसारी दिल्ली कैपिटल्स से जुड़े

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL 2027 के ऑक्शन से पहले सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स ने ट्रेड किया है। मंगलवार को हुए इस सौदे में टी नटराजन सनराइजर्स हैदराबाद में वापस लौटे हैं, जबकि उनके बदले लेग स्पिनर जीशान अंसारी दिल्ली से जुड़ गए हैं। नटराजन को हैदराबाद ने 5 करोड़ रुपए की राशि पर टीम में शामिल किया। जीशान अंसारी मौजूदा 40 लाख रुपए की फीस पर ही दिल्ली से खेलेंगे। उन्होंने IPL 2025 में हैदराबाद के लिए 10 मैच खेले थे। इसमें उन्होंने 6 विकेट लिए थे। नटराजन 2020 से 2024 तक पांच सीजन में हैदराबाद की टीम का हिस्सा रहे थे। उनका सबसे सफल सीजन 2024 रहा। तब उन्होंने टीम के लिए सबसे ज्यादा 19 विकेट चटकाए थे।

2025 के ऑक्शन में दिल्ली ने नटराजन को 10.75 करोड़ रुपए में खरीदा था। अब वह संशोधित 5 करोड़ रुपए की फीस पर अगला IPL खेलेंगे। 2027 सीजन से पहले यह इकलौता प्लेयर ट्रेड नहीं है। जून में भारत के विकेटकीपर ऋषभ पंत और रिस्ट स्पिनर कुलदीप यादव को लेकर लखनऊ सुपर जायंट्स और दिल्ली के बीच भी ट्रेड हुआ था।



पंत दो सीजन बाद अपनी पुरानी फ्रेंचाइजी में लौटे। उन्होंने पहले लखनऊ सुपर जायंट्स छोड़ने की इच्छा जताई थी।

IPL 2025 के मेगा ऑक्शन में लखनऊ सुपर जायंट्स ने पंत को रिकॉर्ड 27 करोड़ रुपए में खरीदा था। यह ऑक्शन इतिहास की सबसे बड़ी बोली थी। हालांकि दिल्ली लौटने पर पंत की फीस 15 करोड़ से घटकर 12 करोड़ रुपए हो गई। लखनऊ में कप्तान के तौर पर उनका परफॉर्मेंस खराब रहा।

ब्राजील के फुटबॉलर विनीसियस जूनियर पर चार मैच का बैन

विरोधी खिलाड़ी के बाल खींचे, बार्सिलोना के खिलाफ एल-क्लासिको नहीं खेलेंगे

मैड्रिड, एजेंसी

रियल मैड्रिड के फॉरवर्ड विनिसियस जूनियर पर चार लीग मैचों का बैन लगा है। वे बार्सिलोना के खिलाफ एल-क्लासिको नहीं खेलेंगे। यह मैच 26 अक्टूबर को स्पेनिश लीग ला-लीगा में खेला जाएगा। स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन की अनुशासन समिति ने बुधवार को विनिसियस पर 4 मैचों का प्रतिबंध लगाया है। ब्राजील के इस फुटबॉलर ने 11 अक्टूबर को मैच में विलारियल के नाथन सालिबा के बाल खींचे थे। हालांकि, विलारियल 1-0 से जीत गया।

विनिसियस को बाल खींचने के लिए दो मैच और रेफरी से आक्रामक तरीके से विरोध करने के लिए दो मैचों का बैन मिला है। विलारियल के पिछले हफ्ते शनिवार को नाथन



सालिबा के साथ दौड़ते समय बाल खींचे थे। इस घटना के तुरंत बाद विनिसियस ने गोल किया था। हालांकि, रेफरी ने गोल को रद्द कर दिया और उन्हें सीधे लाल कार्ड दिखाया।

विनिसियस 18 अक्टूबर को सेविया के खिलाफ घरेलू मैच और अगले हफ्ते बार्सिलोना के दौरे पर नहीं खेलेंगे। वह रेसिंग सांतांदेर और वेलेंसिया के खिलाफ अवे मैच भी मिस करेंगे।

स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन की अनुशासन समिति ने बुधवार को रोमा में रियल मैड्रिड के चैंपियंस लीग मैच से कुछ समय पहले बैन का ऐलान किया। रियल मैड्रिड के कोच जोस मोरिन्हो ने फैसले के समय पर नाराजगी जताई।

मोरिन्हो ने कहा, 'क्या आपको लगता है कि यह सामान्य है कि स्पेन की टीम का खिलाड़ी ऐसे महत्वपूर्ण मैच की तैयारी कर रहा हो, जो स्पेनिश फुटबॉल के लिए भी अहम है, और उसे मैच शुरू होने से सिर्फ दो घंटे पहले चार मैचों के बैन का पता चले?' उन्होंने कहा, 'क्या वे इस फैसले का ऐलान अभी या कल सुबह नहीं कर सकते थे? हम स्टेडियम पहुंचने वाले थे और बस में थे, तभी हमें इसके बारे में पता चला। उन्होंने बिना किसी शर्म के इस तरह के काम शुरू कर दिए हैं।'

नाबालिग बच्चियों के न्यूड वीडियो बनाता था, बाथरूम में कैमरा लगाया था

अमेरिका के जिम्नास्टिक कोच को 90 साल की जेल

लंदन, एजेंसी

अमेरिका में जिम्नास्टिक्स कोच सीन गार्डनर को 90 साल जेल की सजा सुनाई गई है। यूएस डिस्ट्रिक्ट जज क्रिस्टी जॉनसन ने बुधवार को यह सजा सुनाई।

गार्डनर ने दिसंबर 2017 से अप्रैल 2018 के बीच 10 से ज्यादा नाबालिग छात्राओं के न्यूड वीडियो बनाया था। उसने जिम के बाथरूम में हिडेन कैमरा लगाया था।

कोर्ट ने गार्डनर को तीन मामलों में दोषी करार दिया। जज ने गार्डनर को हर आरोप में 30 साल जेल की अधिकतम सजा दी। गार्डनर की उम्र 39 साल है।

गार्डनर मशहूर कोच लियांग 'चाउ' चियाओ के संस्थान में काम करता था। वह युवा खिलाड़ियों को ट्रेनिंग देने के साथ आयोवा में आयोजित होने वाली एक बड़ी सालाना प्रतियोगिता का निदेशक भी था। सेफस्पोर्ट ने 2022 में गार्डनर को अस्थायी रूप से निलंबित किया था। यह कार्रवाई चॉज जिम्नास्ट की ओर से लगाए गए यौन शोषण के आरोप के बाद हुई थी। इसके बाद चॉज ने गार्डनर को नौकरी से निकाल दिया था। सेफस्पोर्ट ने कहा है कि जांच के दौरान उसे पता चला कि चॉ और दूसरे कोच गार्डनर के यौन दुराचार के आरोपों से परिचित थे।



> कुछ पूर्व छात्राओं के वकीलों का आरोप है कि यूएसए जिम्नास्टिक्स और अमेरिकी सेंटर फॉर सेफस्पोर्ट को 2017 में ही गार्डनर के अनुचित व्यवहार की जानकारी मिल गई थी, लेकिन उसे खेल से बाहर करने में देरी हुई।



आयोवा के वेस्ट डेस मोइनेस स्थित चाउज जिम्नास्टिक्स एंड डांस इंस्टीट्यूट। (फोटो AP)

पहले भी आरोप लगे, अब तक कार्रवाई नहीं

गार्डनर आयोवा के वेस्ट डेस मोइनेस स्थित चाउज जिम्नास्टिक्स एंड डांस इंस्टीट्यूट में भी कोच रह चुका था। वहां ट्रेनिंग लेने वाली कई पूर्व छात्राओं ने उस पर यौन शोषण के आरोप लगाए हैं। पुलिस में शिकायतें की गईं और अदालत में मुकदमे भी दायर हुए हैं। हालांकि, आयोवा से जुड़े आरोपों में गार्डनर पर अब तक आपराधिक मामला दर्ज नहीं हुआ है। पुलिस का कहना है कि संघीय मामला खत्म होने के बाद आगे की कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा।

संस्था के मुताबिक, उन्होंने अपनी नीति के तहत इन आरोपों की जानकारी सेफस्पोर्ट को नहीं दी।

मई में एक जज ने गार्डनर की जांच ठीक से नहीं करने के आरोपों वाले दो मुकदमों से सेफस्पोर्ट को हटा दिया था। जज ने कहा था कि संघीय कानून के तहत संस्था को कानूनी सुरक्षा हासिल है। गार्डनर, यूएसए जिम्नास्टिक्स और चॉज जिम्नास्टिक्स के खिलाफ कई मुकदमे अब भी लंबित हैं।

मनोरंजन

सलमान ने पिता सलीम खान संग शेयर की तस्वीरें

नई दिल्ली। सलमान खान ने बुधवार देर रात अपने पिता सलीम खान के साथ तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में दोनों मैचिंग काउबॉय हैट पहने नजर आए।

सलमान ने सलीम खान के साथ तस्वीरों की सीरीज इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। पहली 3 तस्वीरों में सलमान कुर्सी पर बैठे सलीम को पीछे से गले लगाते दिखे।

सलमान इस ट्विनिंग मोमेंट में काफी खुश नजर आए। आखिरी तस्वीर में सलमान पिता के पास बैठे और उनका हाथ पकड़े दिखे।

तस्वीरें शेयर करते हुए सलमान ने लिखा, "हाउडी पार्टनर! ही-हॉ! 91 की उम्र में एक... बाप तो बाप होता है। वह असली मॉन्स्टर हैं। हम सब के बाप में है दम वंदे मातरम्।"

उन्होंने आगे लिखा, "एक और दिन नहीं होता , एक और दिन कम



> दोनों काउबॉय हैट में दिखे, बोले- वह 'असली मॉन्स्टर' हैं, हम सब के बाप में है दम

होता है। आप लोग समझ रहे हैं? भगवान दयालु रहे हैं।"

वैरायटी इंडिया को दिए इंटरव्यू में सलमान ने बताया था कि वह अब भी अपने पिता से करियर की सलाह लेते हैं। उन्होंने कहा, "आज भी अगर मैं किसी बात को लेकर उलझन में होता हूं, तो हमेशा उनके पास जाता हूं। वह जो कहते हैं, मैं वही करता हूं।"

साउथ में सुपरस्टार बनीं, बॉलीवुड में स्ट्रगल किया, बोलीं- नॉमिनेशन मिला, अवॉर्ड शो में नहीं बुलाया

दृश्यम एक्ट्रेस श्रिया सरन ने ऑडिशन के लिए शादी छोड़ी

नई दिल्ली। माता-पिता चाहते थे कि श्रिया सरन पढ़ाई पूरी करने के बाद एक्टिंग में आएं, लेकिन एक म्यूजिक वीडियो ने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी। तेलुगु फिल्म 'इष्टम' से करियर शुरू करने वाली श्रिया ने साउथ की फिल्मों में पहचान बनाई, लेकिन बॉलीवुड में संघर्ष करना पड़ा। 'तुझे मेरी कसम', 'शुक्रिया' और 'मिशन इस्तांबुल' से उन्हें अपेक्षित सफलता नहीं मिली।

उन्होंने करियर में गलत फैसले लेने की बात भी स्वीकार की। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। रजनीकांत की 'शिवाजी', अजय देवगन की 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी और



फिल्म 'शिवाजी: द बॉस' पहले 15 जून 2007 को तमिल में रिलीज हुई थी। इसके बाद इसे हिंदी में डब करके 8 जनवरी 2010 को रिलीज किया गया।

एसएस राजामौली की 'आरआरआर' ने उन्हें नई पहचान दी।

श्रिया के माता-पिता उनके एक्टिंग के फैसले से बहुत उत्साहित नहीं थे। उनके पिता इंजीनियर थे और मां स्कूल में केमिस्ट्री की टीचर थीं। परिवार चाहता था कि बेटी पहले पढ़ाई पूरी करे, फिर करियर का फैसला ले। श्रिया के सामने शर्त थी कि वह फिल्मों में काम करें, लेकिन पढ़ाई बीच में न छोड़ें। उन्हें दोनों जिम्मेदारियां साथ निभानी थीं।

डांस टीचर की सलाह ने बदली जिंदगी, बिना प्लानिंग के फिल्मों में आईं

श्रिया सरन का फिल्मी सफर पारंपरिक तरीके से शुरू नहीं हुआ। उनके परिवार का फिल्मों से कोई संबंध नहीं था और न ही उन्होंने बचपन से अभिनेत्री बनने का सपना देखा था। उनका जन्म 11 सितंबर 1982 को हुआ। हरिद्वार में शुरुआती जीवन बिताने के बाद वह दिल्ली आईं। वहां उन्होंने लेडी श्रीराम कॉलेज से अंग्रेजी साहित्य की पढ़ाई के साथ कथक की ट्रेनिंग भी ली।

कॉलेज के दिनों में म्यूजिक वीडियो में काम करने का मौका मिलने से श्रिया की जिंदगी बदल गई। उनकी डांस टीचर ने प्रोडक्शन कंपनी को उनका नाम सुझाया था। श्रिया ने इसे करियर बनाने की योजना के बजाय नया अनुभव माना और ऑडिशन देने पहुंच गईं। इसके बाद वह 'थिरकती क्यों हवा' म्यूजिक वीडियो में नजर आईं, जिसने फिल्मों के दरवाजे खोले। उन्हें तेलुगु फिल्म 'इष्टम' का ऑफर मिला और 17 साल की उम्र में वह अभिनय की दुनिया में आ गईं।



अक्षय कुमार, अदनान सामी की नागरिकता पर भी हुआ विवाद, आलिया-कटरीना इंडियन नहीं

इमरान खान को छोड़ना होगा भारत



नई दिल्ली। एक्टर इमरान खान के खिलाफ भारतीय नागरिकता न होने के बावजूद प्रोटेस्ट में शामिल होने पर शिकायत दर्ज हुई है। मुंबई पुलिस ने उन पर कार्रवाई करते हुए 28 अक्टूबर तक देश छोड़ने का आदेश दिया है। ये इस तरह का इकलौता मामला नहीं है। इससे पहले अक्षय कुमार, अदनान सामी, दिलजीत दोसांझ जैसे कई सेलेब्स की नागरिकता विवादों में रही है। कुछ ने विदेशों के बाद भारतीय नागरिकता ली, तो कुछ ने भारतीय नागरिकता छोड़ दी। इनके अलावा आलिया भट्ट, कटरीना कैफ जैसे कुछ सेलेब्स ऐसे भी हैं, जो सालों से भारत में काम कर रहे हैं, लेकिन उनके पास भारतीय नागरिकता नहीं है। चेतन ने 2023 में सोशल मीडिया पर भारत विरोधी बयान दिए थे, जिसके बाद उनके खिलाफ कार्रवाई हुई। मार्च 2023 में केंद्र सरकार ने उनकी OCI सुविधा रद्द करने का फैसला सुनाया। यानी उन्हें भारत में रहने और काम करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने इस फैसले को चुनौती दी और अप्रैल 2023 में कर्नाटक हाईकोर्ट ने उनके OCI कार्ड को रद्द करने के आदेश पर रोक लगा दी।

बांग्लादेशी अभिनेता फिरदौस अहमद अप्रैल 2019 में पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार से जुड़े विवाद में फंस गए थे। वह बंगाली टीवी शो 'रानी रश्मोनी' में अपने अभिनय के लिए पहचाने जाते थे।



बंगाल में लोकसभा चुनाव के दौरान तृणमूल कांग्रेस (TMC) के लिए प्रचार करने के बाद विवादों में आ गए थे। वह बंगाली फिल्म इंडस्ट्री में काम करते थे और उस समय भारत में बिजनेस वीजा पर मौजूद थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिरदौस अहमद को रायगंज लोकसभा सीट से टीएमसी उम्मीदवार कन्हैया लाल अग्रवाल के समर्थन में रोड शो और चुनाव प्रचार करते देखा गया था। इस पर भाजपा ने चुनाव आयोग से शिकायत की और विदेशी नागरिक के चुनाव प्रचार में शामिल होने पर सवाल उठाए।

इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने उनके बिजनेस वीजा को रद्द कर दिया और उन्हें भारत छोड़ने का नोटिस जारी किया। अधिकारियों ने उनके खिलाफ वीजा नियमों के उल्लंघन की कार्रवाई की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें ब्लैकलिस्ट भी किया गया था। फिरदौस अहमद ने बाद में भारत छोड़ दिया और अपने चुनाव प्रचार में शामिल होने को अनजाने में हुई गलती बताते हुए बिना शर्त माफी मांगी थी।

- इमरान खान, आमिर खान की बहन नुजहत के बेटे हैं। उनका जन्म अमेरिका के विस्कॉन्सिन में हुआ।
- जन्म से ही इमरान खान के पास अमेरिकी नागरिकता और अमेरिकी पासपोर्ट है।
- इमरान ओवरसीज सिटीजनशिप ऑफ इंडिया कार्ड की मदद से भारत में काम करते और रहते हैं।
- इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट, 2025 के तहत अगर किसी शख्स के पास भारतीय नागरिकता नहीं है, तो वह देश से जुड़े किसी प्रदर्शन में शामिल नहीं हो सकता।

इमरान ने नियम का उल्लंघन किया है, जिसके चलते उनके खिलाफ कार्रवाई हुई है।



एक्टर चेतन कुमार अहिंसा- देश विरोधी बयान देने पर कार्यवाई हुई

कन्नड़ अभिनेता और सामाजिक कार्यकर्ता चेतन कुमार अहिंसा, जिन्हें चेतन कुमार के नाम से भी जाना जाता है, 2023 में अपने OCI कार्ड को लेकर विवादों में आए थे। चेतन अमेरिकी नागरिक हैं और OCI कार्ड की मदद से लंबे समय से कर्नाटक में रहकर फिल्मों और सामाजिक मुद्दों पर काम कर रहे थे।

बांग्लादेशी अभिनेता गाजी अब्दुल नूर, जिन्हें गाजी अब्दुन नूर भी लिखा जाता है, अप्रैल 2019 में पश्चिम बंगाल

28 बच्चों और महिला टीचर की जान गई, 40 से ज्यादा घायल, लोगों के दबे होने की आशंका के चलते तलाशी

पाकिस्तान में स्कूल की छत गिरने से 29 की हुई मौत

हादसा

पेशावर, एजेंसी

पाकिस्तान के पेशावर में गुरुवार को एक प्राइवेट स्कूल की छत गिरने से 29 लोगों की मौत हो गई। इनमें 28 छात्र और एक महिला टीचर शामिल हैं। सभी बच्चों की उम्र 13 साल या उससे कम है।

यह हादसा दीर कॉलोनी इलाके में हुआ। इसमें 40 से ज्यादा लोग घायल भी हुए हैं। उनके इलाज के लिए अस्पताल में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है। अस्पताल के ट्रॉमा वार्ड में डॉक्टरों और दूसरे कर्मचारियों को तैनात किया गया है। पाकिस्तान में छत और इमारतें गिरने की घटनाएं अक्सर होती हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह सुरक्षा मानकों की अनदेखी करना और निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल करना है।



पाकिस्तान के पेशावर में एक स्कूल की छत गिर गई।

उमरकोट- जुलाई में एक सरकारी स्कूल की बाहरी दीवार गिरने से 3 बच्चियों की मौत हो गई थी।

लाहौर- जुलाई में ही बागबानपुरा इलाके में निर्माणाधीन निजी स्कूल की छत गिरने से एक बच्चे की मौत हो गई थी।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जताया दुख

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हादसे में लोगों की मौत पर गहरा दुख जताया। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की और उन्हें इस मुश्किल समय में हिम्मत देने की प्रार्थना की। प्रधानमंत्री ने घायलों के जल्द ठीक होने की कामना की। उन्होंने अधिकारियों को घायलों के लिए बेहतर से बेहतर इलाज की व्यवस्था करने और बचाव अभियान में तेजी लाने का निर्देश दिया।

खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर ने जांच के आदेश दिए

खैबर पख्तूनख्वा के गवर्नर फैसल करीम कुंडी ने भी हादसे पर दुख जताया। उन्होंने मारे गए बच्चों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। गवर्नर ने कहा कि मासूम बच्चों की जान जाना बेहद दुखद त्रासदी है। उन्होंने घायल बच्चों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की और संबंधित अधिकारियों को उन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों से स्कूल की छत गिरने की घटना पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। साथ ही हादसे की वजह का पता लगाने का निर्देश भी दिया है।



घायल बच्चे को अस्पताल ले जाने के लिए एम्बुलेंस की तरफ भागता एक व्यक्ति।

लाहौर- जून में कहना इलाके में एक ट्यूशन सेंटर की छत गिरने से 14 बच्चों की जान चली गई थी।

डेरा गाजी खान- मई में स्कूल की छत गिर गई थी। इसमें चार बच्चों की मौत हुई थी और 20 लोग घायल हुए थे।

शिकागो यूनिवर्सिटी के बाथरूम में युवती से रेप

बाहर खड़े लड़के चिल्ला रहे थे- मेरी बारी कब आएगी

वाशिंगटन, एजेंसी



अमेरिका के शीर्ष विश्वविद्यालयों में महिलाओं की सुरक्षा पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। कॉर्नेल यूनिवर्सिटी में हाल ही में हुए गैंगरेप के सनसनीखेज मामलों की गूंज थमी भी नहीं थी कि अब शिकागो यूनिवर्सिटी से एक बेहद दहला देने वाली घटना सामने आई है। मिली जानकारी के अनुसार, यहां एक फ्रैटर्निटी हाउस में पार्टी के दौरान एक युवती के साथ कथित तौर पर बलात्कार का मामला सामने आया है। दुखद और शर्मिंदगी की बात यह भी है कि जब ये वारदात हो रही थी, तब बाहर खड़े कुछ लड़के दरवाजा पीटने के साथ चिल्ला रहे थे, 'अब मेरी बारी कब आएगी?' और 'मुझे अंदर जाने दो'। बता दें कि 18000 छात्रों वाले शिकागो विश्वविद्यालय में हुई इस घटना ने पूरे कैंपस को झकझोर कर रख दिया है। पुलिस और मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 21 वर्षीय पीड़िता अपनी दोस्त मिया लारा और एक अन्य सहेली के साथ 'अल्फा एप्सिलॉन पाई' फ्रैट हाउस में इंस्टाग्राम पर विज्ञापन देखकर एक पार्टी में शामिल होने गई थी। पार्टी के दौरान शराब पीने और डांस करने के बाद पीड़िता की तबीयत बिगड़ने लगी। उसकी सहेलियां जब उसे तलाश करती हुई बेसमेंट में पहुंचीं, तो उन्होंने देखा कि एक बाथरूम का दरवाजा बंद था और उसके बाहर लड़कों की भीड़ खड़ी थी, जो कि चिल्ला रहे थे, 'कब है मेरी बारी? और 'मुझे अंदर जाने दो'।

फास्ट न्यूज

यूक्रेन ने रूस के एयरफील्ड पर मिसाइल से किया हमला

कीव। यूक्रेन की नौसेना ने गुरुवार को बताया कि उसने रूस के वोरोनिश क्षेत्र में बोरिसोक्लेब्स्क एयरफील्ड पर रात भर चले हमले में रूस के छह Su-34M सैन्य विमानों को तबाह कर दिया है। इस बीच, दोनों पक्षों की ओर से ऊर्जा बुनियादी ढांचे और जहाजों पर हमले जारी रहे। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, टेलीग्राम पर जारी एक बयान में बताया गया कि नौसेना ने इस हमले में उसने अपने नेपच्यून तटीय मिसाइल सिस्टम का इस्तेमाल किया।

विवादों में घिरीं व्हाइट हाउस की नई प्रेस सचिव केटी जकारिया

वाशिंगटन। अमेरिका में नव-नियुक्त व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केटी जकारिया को लेकर वॉशिंगटन की राजनीति में गर्माहट तेज हो गई है। या यूं कहें कि जकारिया अपनी नियुक्ति के शुरुआती दिनों में खुद के दावों के चलते ही विवादों और तीखे सवालों के घेरे में आ गई हैं। इसकी वजह को ऐसे समझिए राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के प्रशासन का सार्वजनिक चेहरा बनने जा रही जकारिया के रिज्यूमे, उनकी कानूनी योग्यता और वकील होने के दावों पर अब अमेरिकी मीडिया और स्वतंत्र जांच एजेंसियों की तरफ से गंभीर सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

'सुरक्षा को बड़ा खतरा'

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल के एक सरकारी कर्मचारी को अदालत ने जमानत देने से इनकार कर दिया। उस पर एक महिला का पीछा करने और उसे धमकाने का आरोप है। इस महिला से वह एक डेटिंग ऐप के जरिए मिला था। अदालत ने कहा कि उसे रिहा करने से महिला की सुरक्षा और भलाई को गंभीर खतरा हो सकता है। आरोपी की पहचान 31 वर्षीय सुयश सिन्हा के रूप में हुई है।

चुनाव से पहले ईरान पर हमला नहीं करना चाहते नेतन्याहू

बोले- तेहरान ने हमला किया तब भी विरोधी मुझे जिम्मेदार ठहराएंगे

तेल अवीव, एजेंसी



इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि वह 27 अक्टूबर को होने वाले चुनाव से पहले ईरान पर हमला नहीं करना चाहते। बुधवार को इजराइली आर्मी रेडियो से बातचीत में उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले ईरान पर हमला करना ठीक नहीं होगा। हालांकि, उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान ने इजराइल पर हमला किया, तो उसे कड़ा जवाब दिया जाएगा।

नेतन्याहू ने कहा कि अगर ईरान इजराइल पर मिसाइलें दागता है तो उनके विरोधी इसके लिए भी उन्हें ही जिम्मेदार ठहराएंगे। विपक्ष का आरोप है कि नेतन्याहू चुनाव से पहले ईरान के साथ लड़ाई शुरू कर सकते हैं। अमेरिका और इजराइल ने 28 फरवरी को ईरान पर हमले किए थे। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल और खाड़ी देशों पर हमले किए। जून के बाद से दोनों देशों के बीच सीधे हमले नहीं हुए हैं। नेतन्याहू ने कहा कि मिडिल-ईस्ट के कई देश इजराइल की सैन्य कामयाबी के बाद उससे संपर्क कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि क्या इजराइल सऊदी अरब को हूती विद्रोहियों के हमलों से बचाने में मदद कर रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले एक हफ्ते में सऊदी अरब पर हूतियों के हमले बढ़े हैं। शनिवार, 10 अक्टूबर को रियाद एयरपोर्ट पर हुए हमले में 13 लोगों की मौत हुई थी। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक चुनाव से पहले प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की सत्ता में वापसी की संभावना बनी हुई है। 7 अक्टूबर 2023 को हमास के हमले में बड़ी संख्या में लोग मारे गए थे। इसे इजराइल की सुरक्षा व्यवस्था की बड़ी नाकामी माना गया था।

विपक्ष का आरोप है कि नेतन्याहू ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली और सुरक्षा में चूक के लिए सेना व अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया। हमले की जांच के लिए स्वतंत्र आयोग बनाने की मांग भी उठी, लेकिन इस पर विवाद बना रहा।

पायलट का आखिरी मैसेज था- पंखों पर बर्फ जम रही, ऊंचाई घटाने की परमिशन दें

अमेरिका के विस्कॉन्सिन में प्लेन क्रैश, 6 की मौत



डेलोना, एजेंसी

अमेरिका के विस्कॉन्सिन में मंगलवार रात विमान हादसे में एक बच्चे समेत छह लोगों की मौत हो गई। हादसे से पहले पायलट ने पंखों पर बर्फ जमने की सूचना दी थी।

छह सीटों वाला सिंगल-इंजन विमान केनोशा से मेनोमोनी जा रहा था। यह विमान रात करीब 10 बजे डेलोना टाउन में मिरर लेक स्टेट पार्क के पास जंगल में गिरा।

हादसे के समय इलाके में बारिश हो रही थी और गरज-चमक वाला तूफान गुजर रहा था।

नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (NTSB) के मुताबिक, पायलट ने एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को पंखों पर बर्फ जमने की जानकारी दी थी। उस समय पाइपर PA-46 विमान 24,000 फीट यानी 7,315 मीटर की ऊंचाई पर उड़ रहा था। पायलट ने विमान को नीचे लाने की अनुमति मांगी थी। एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने विमान को नीचे आने की अनुमति दी। इसके बाद विमान दाईं ओर नीचे उतरने वाले मोड़ में गया। NTSB ने बताया कि यह मोड़ लगातार तेज होता गया। इसके बाद विमान से संपर्क और उसके डेटा की ट्रैकिंग बंद हो गई।



> विंग्स पर बर्फ जमना एविएशन (हवाई यात्रा) के लिए एक बड़ा खतरा है, क्योंकि बर्फ की एक पतली परत भी प्लेन को हवा में बनाए रखने में मुश्किल पैदा कर सकती है।

विस्कॉन्सिन डेल्स में बड़ी संख्या में पर्यटक आते है

हादसा विस्कॉन्सिन डेल्स से लगभग 10 मील (16 किलोमीटर) पश्चिम में हुआ था। यह शहर बड़ी संख्या में वॉटरपार्क्स होने की वजह से 'दुनिया की वॉटरपार्क राजधानी' कहलाता है। राज्य के पर्यटन अधिकारियों के अनुसार, 2025 में इस इलाके में 50 लाख से ज़्यादा पर्यटक आए थे।

अधिकारियों के मुताबिक, हादसे में जमीन पर मौजूद कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ। हादसे में कोई इमारत या अन्य ढांचा भी क्षतिग्रस्त नहीं हुआ।

नवरात्रि के पहले दिन हमला करने पहुंचा था, लेकिन राइफल जाम हुई

अमेरिका के मंदिर में नरसंहार की साजिश नाकाम आरोपी गिरफ्तार

इलिनॉय, एजेंसी

अमेरिका के इलिनॉय में नवरात्रि के दौरान एक हिंदू मंदिर पर हमला करने की साजिश रचने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

19 साल के अलेक्जेंड्रोस पापोराकिस पर आरोप है कि वह 11 अक्टूबर को भारतीय मूल के लोगों की सामूहिक हत्या करना चाहता था। पापोराकिस अपने घर से करीब 65 किमी गाड़ी चलाकर ऑरोरा में श्री वेंकटेश्वर स्वामी (बालाजी) मंदिर पहुंचा था। इस मंदिर में छुट्टी के दिन 3,000 से ज्यादा श्रद्धालु आते हैं। पापोराकिस अपने साथ राइफल और सैकड़ों गोलियां लेकर आया था, लेकिन राइफल जाम होने की वजह से वह ऐसा नहीं कर पाया।

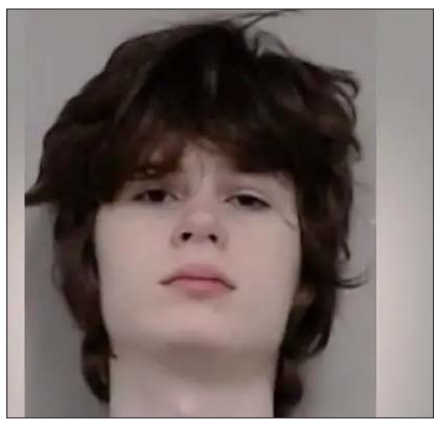


इसके बाद उसे वहां से भागना पड़ा।

घर लौटने के बाद पापोराकिस ने अपने एक दोस्त को मैसेज कर इसकी जानकारी दी। उसने हथियार की तस्वीरें और अपनी एक तस्वीर भी भेजी। आरोपी का मैसेज देखकर उसके दोस्त ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने उसी दिन आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को उसके घर में मिली एक जैकेट पर ऐसा निशान भी था, जो गोरी नस्ल को दूसरों से बेहतर मानने वाले चरमपंथियों से जुड़ा है।

इंटरनेट पर राइफल ठीक करने का तरीका खोजा

पुलिस के मुताबिक पापोराकिस ने इंटरनेट पर राइफल ठीक करने का तरीका भी खोजा। आरोपी पर आतंकवादी धमकी देने और गैरकानूनी तरीके से हथियार रखने के आरोप लगाए गए हैं। अदालत ने उसे हिरासत में रखने का आदेश दिया है। उसकी अगली पेशी 30 अक्टूबर को होगी। मामले की जांच में FBI भी पुलिस की मदद कर रही है। शिकागो में भारतीय कॉन्सुलेट ने आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अमेरिकी पुलिस की तारीफ की है। कॉन्सुलेट ने कहा कि वह हिंदू धार्मिक स्थल पर हमले की साजिश के मामले पर नजर रख रहा है।



आरोपी ऑरोरा में एक हिंदू मंदिर पर हमला करने पहुंचा था। उसकी यह तस्वीर FBI ने जारी की है।

> घटना पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने चिंता जताई है। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि साजिश में हिंदुओं और भारतीय मूल के लोगों को निशाना बनाने की बात बेहद चिंताजनक है।
>
> भारत ने अमेरिकी अधिकारियों से मामले की पूरी जांच करने और भारतीय समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

नाइजीरिया में सेना के बेस पर इस्लामी चरमपंथियों का हमला

मैदुगुरी, एजेंसी



नाइजीरिया के पूर्वोत्तर बोरनो राज्य में एक सैन्य ठिकाने पर बोको हराम के चरमपंथियों ने हमला कर दिया। इस हमले में चरमपंथियों ने कम से कम 10 सैनिकों की हत्या कर दी और 20 से अधिक को घायल कर दिया।

सैन्य सूत्रों ने बताया कि मंगलवार रात को उग्रवादियों ने गुजामाला स्थानीय सरकारी इलाके में स्थित इस बेस पर हमला किया। उन्होंने सैनिकों पर काबू पा लिया, सैन्य वाहनों को नष्ट कर दिया और पास के मैरारी गांव के कुछ हिस्सों में आग लगा दी।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से बताया कि इस हमले में 20 से ज्यादा लोग घायल हुए, जबकि कम से कम पांच आम नागरिक और एक वन रक्षक (फॉरेस्ट गार्ड) मारे गए।

हादसे के शिकार हुए मछुआरे जिब्रिन हसन ने बताया कि सैन्य ठिकाने पर हमला करने से पहले लड़ाकों ने पास ही झील के किनारे बसे गांव 'तुमबुन बारेबारी' से 40 से अधिक नावें छीन ली थीं।

वहीं एक अन्य मछुआरे, बाबागाना मुहम्मद ने बताया कि एक साथ कई जगह किया गया हमला था... फर्क सिर्फ इतना रहा कि उन्होंने हम मछुराहों को कोई नुकसान नहीं पहुंचाया।

उल्लेखनीय है कि उत्तर-पूर्वी नाइजीरिया में 17 साल से चल रहे विद्रोह को रोकने के लिए सेना कई सालों से अभियान चला रही है, लेकिन इसके बावजूद हाल के हफ्तों में बोको हराम और इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस (ISWAP) जैसे इस्लामी समूहों के हमले तेज हो गए हैं।

सप्लाई : इस साल भी इम्पोर्ट जारी, 2025 में भारत की रिफाइनरी पर प्रतिबंध लगाए थे

यूरोप ने रूस से 30 लाख करोड़ का तेल-गैस खरीदा

मॉस्को, एजेंसी

रूस से तेल खरीदने पर भारत पर दबाव बनाने वाला यूरोप खुद भी उससे बड़े पैमाने पर तेल-गैस खरीद रहा है। 2022 से अब तक यूरोपीय देशों ने रूस से करीब 30 लाख करोड़ रुपए का ईंधन खरीदा है।

दूसरी ओर, यूरोपीय संघ ने जुलाई 2025 में गुजरात स्थित नायरा एनर्जी की रिफाइनरी पर प्रतिबंध लगाए थे, जिसमें रूस की तेल कंपनी रोसनेफ्ट की हिस्सेदारी रही है। 2026 के शुरुआती नौ महीनों में भी करीब 2.03 लाख करोड़ रुपए की खरीद हुई। रूस के मुताबिक, जिन रास्तों से रूसी ऊर्जा खरीदने की छूट है, उनके जरिए यूरोप को तेल और गैस की सप्लाई जारी है।



यूरोप अमेरिका और दूसरे देशों से भी गैस खरीदता है। लेकिन दूसरे देशों से गैस मंगाने के लिए अलग इंतजाम और खर्च की जरूरत होती है। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने से भी ऊर्जा सप्लाई को लेकर चिंता बनी हुई है। ऐसे में रूस से खरीद तुरंत बंद करना यूरोप के लिए आसान नहीं है।

यूरोपीय कंपनियों ने रूस के साथ लंबे समय के लिए गैस खरीदने के समझौते कर रखे हैं। यूरोप की ऊर्जा नियामक एजेंसी के मुताबिक, रूसी एलएनजी खरीदने के लिए कुछ कंपनियों के सालाना 20 से 32 अरब घनमीटर तक के अनुबंध हैं। इन समझौतों और दूसरी जगह से गैस लाने के इंतजाम में समय लगने के कारण आयात बंद करना मुश्किल है।



उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने 23 सितंबर 2025 को कहा था कि यूरोप साल के अंत तक रूस से तेल खरीद बंद करना चाहता है।

तेल-गैस महंगी हो सकती है

यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद यूरोप में गैस और बिजली की कीमतें बढ़ी थीं। रिपोर्ट में गैस की कीमतों में 46% और बिजली की कीमतों में 21% तक बढ़ोतरी का दावा किया गया है। रूस से सप्लाई पूरी तरह बंद होने पर कीमतें फिर बढ़ सकती हैं। इससे आम लोगों के बिल और कंपनियों की लागत बढ़ने का डर है।

2026 में भी रूस से गैस खरीद बढ़ी

यूरोपीय संघ की ऊर्जा नियामक एजेंसी के आंकड़ों के मुताबिक, जनवरी से मई 2026 के बीच यूरोप में रूस से पाइपलाइन के जरिए आने वाली गैस की खरीद पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 7% बढ़ी। रूस से तरल प्राकृतिक गैस यानी एलएनजी की खरीद भी 11% बढ़ी। इससे पता चलता है कि प्रतिबंधों के बावजूद यूरोप की रूस पर ऊर्जा निर्भरता पूरी तरह खत्म नहीं हुई है।

सीजेपी फंडिंग पर अमेरिकी सिंगर और अभिजीत दीपके आमने-सामने

मैरी मिलबेन बोलीं- मोदी के साथ काम करो

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी गायिका मैरी मिलबेन और कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के संस्थापक अभिजीत दीपके के बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर तीखी बहस हुई। मिलबेन ने दावा किया कि सीजेपी को भारत में प्रदर्शन करने के लिए अमेरिकी फंडिग मिल रही है। उन्होंने भारतीय युवाओं से इन ताकतों के खिलाफ एकजुट होकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने की अपील की। उन्होंने दीपके को सलाह दी कि वे पीएम के साथ बैठकर बात करें और भारत को आगे बढ़ाएं। इस पर दीपके ने कहा, पीएम मोदी अपने ही देशवासियों को बदनाम करने के लिए अमेरिकियों का समर्थन क्यों ले रहे हैं?

दरअसल, विपक्ष और सीजेपी स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) और चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर 15 दिन से देशभर में प्रदर्शन कर रहे हैं।



दीपके का जवाब, 'विदेशी नागरिकों को भारत के आंतरिक मामलों में दखल देने का अधिकार किसने दिया? हम अपने मुद्दों से निपटने में पूरी तरह सक्षम हैं। हमें अपने देश के मामलों में बाहरी लोगों के हस्तक्षेप की जरूरत नहीं है।'

मिलबेन ने फरवरी 2021 में किसान आंदोलन के दौरान मोदी सरकार के कृषि कानूनों का समर्थन करते हुए कहा था कि उन्हें किसानों की जिंदगी बेहतर बनाने के मोदी के विजन पर भरोसा है। अगस्त 2023 में मणिपुर हिंसा के मुद्दे पर भी उन्होंने मोदी का समर्थन किया था। उन्होंने उस समय कहा था कि भारत को अपने नेता पर भरोसा है ।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676